सुबह सवेरे

A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 13 जुलाई, 2024

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 263, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

भारत-रूस मित्रता को जीवंतता देने का सार्थक प्रयास

ललित गर्ग

भारत-रूस की मैत्री को नये आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रपति पुतिन ने न केवल मैत्री के धागों एवं द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती दी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को नये शिखर देने का प्रयास किया है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के लिये एक नए सोच के साथ नये सफर का आगाज है। एक ऐसे समय में, जबकि यूक्रेन-रूस युद्ध को पश्चिमी देशों के विरोध के कारण रूस दुनिया में अलग-थलग है, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में पहले विदेश यात्रा के लिये रूस का चयन करके जता दिया है कि भारत-रूस की मैत्री अक्षुण्ण है और किसी भी तरह के दुनिया के दबाव में यह दोस्ती कमजोर नहीं पड़ने वाली है। भारत ने जहां मैत्री को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, वहीं अपने मित्र देश को युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में अपना स्पष्ट रुख भी जताया है। मोदी की इस यात्रा की एक बड़ी निष्पत्ति यह है कि रूस में अब दो नये वाणिज्यिक दूतावास खुलने जा रहे हैं, जिससे हमारी आर्थिक गतिविधियां तेजी से एवं ज्यादा बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने विरोध जताया है। लेकिन प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि भारत के लिए रूस की मैत्री बहुत महत्वपूर्ण है। भारत अपने मैत्री-मूल्यों को किसी भी दबाव में कमतर नहीं होने देगा। भले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस यात्रा पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए इसे शांति प्रयासों को झटका तक बता चुके हो या अमेरिका ने भी यात्रा को लेकर अपनी चिंता जता दी हो। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपनी युद्ध विरोधी सोच के चलते ही यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस नहीं गए थे। दोनों देशों के बीच होने वाली सालाना द्विपक्षीय शिखर बैठक भी 2022 के बाद से नहीं हो पाई थी। इससे रूस के कुछ हलकों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रूस से दूरी बनाए रखना चाहता है। दुनिया में बन रही इस नई धारणा को तोड़ना जरूरी था, इसी दृष्टि से इस यात्रा के पीछे जहां द्विपक्षीय रिश्तों को संदेहों और अविश्वासों से मुक्त करने का ध्येय था, वहीं अंतरराष्ट्रीय हलकों में यह स्पष्ट संदेश भेजना था कि भारत को किसी तरह के दबाव के जरिए इस या उस पक्ष में झुकाना संभव नहीं है।

खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत में इसका जिक्र किया कि उनके रूस आने पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। दुनिया भर में इस यात्रा को गहरी उत्सुकता से देखा जा रहा था। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का जोर इस बात पर रहा है कि भारत रूस से अपनी करीबी खत्म करे। भारत अब एक स्वतंत्र ताकत है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, बड़े शक्तिशाली देशों के लिये भी भारत एक बाजार है। इसलिये भारत किसी भी दबाव में न आते हुए शुरू से ही यह स्पष्ट कर रखा है कि वह अपने राष्ट्रहित पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहेगा। रूस समर्थकों ने भले ही यह दर्शाना चाहा हो कि मोदी की यात्रा से भारत ने पश्चिम को चुनौती दी है और इससे पश्चिमी देश 'ईर्ष्या से जल रहे हैं', परंतु असल में भारत ऐसा कोई मंतव्य नहीं रखता है।

यह यात्रा अनेक कारणों एवं दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण रही, यात्रा के दौरान दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने के समझौते तो हुए ही, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र राष्ट्र को मैत्रीपूर्ण सलाह देते हुए पूरी बेबाकी से कहा, 'युद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकलता।' यह प्रधानमंत्री मोदी का वैसा ही बयान है जैसा दो साल पहले समरकंद में पुतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने दिया था कि 'यह युद्ध का दौर नहीं है।' असल में भारत हमेशा से शांति के उजालों एवं युद्ध के अंधेरों से मुक्ति का ही समर्थक रहा है। भारत की स्पष्ट मान्यता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। भारत ने बम-बंदूक के बजाय शांति-वार्ता के जरिये समाधान की बात दोहराई। देखना यह है कि यूक्रेन युद्ध पर भारतीय प्रधानमंत्री की फिर से खरी बात पर रूसी राष्ट्रपति कितना ध्यान देते हैं। भारत ने अपने मित्र देश को अपनी तकलीफ को साझा करते हुए यह एहसास दिलाने की भी कोशिश की गई कि चीन के साथ उसकी नजदीकी परोक्ष रूप से पाकिस्तान को उत्साहित करती है, जो भारतीय जमीन पर आतंकी गतिविधियों को खाद-पानी मुहैया कराने का काम करता है।

रूस भारत के सहयोग के लिये तत्पर रहता है, इसबार भी यह खबर भी सुकून देने वाली है कि रूस ने भारत के आग्रह पर न केवल रूसी सेना के सपोर्ट स्टाफ के रूप में भारतीयों की नियुक्ति रोकना स्वीकार कर लिया है बल्कि नियुक्त किए जा चुके युवाओं को स्वदेश भेजने पर भी मान गया है। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सफल कूटनीति के एक उत्तम उदाहरण के रूप में याद रखी जाएगी। भारतीय हितों की वकालत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्व मानवता की बात करना इसी रणनीति का हिस्सा था। अन्य पहलू है, इस द्विपक्षीय रिश्ते में कौन-कौन से नए क्षेत्र शामिल किए जा सकते हैं, ताकि यह संबंध एक नई ऊंचाई पर पहुंच सके। विज्ञान-प्रौद्योगिकी और 'पीपुल-टु-पीपुल कॉन्टैक्ट' यानी आम लोगों के स्तर पर आपसी संबंध को आगे बढ़ाने पर रजामंदी को इसी नजरिये से देखा जाना चाहिए। इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से आने वाली दिक्कतों को दूर करना। भुगतान की टिकाऊ व्यवस्था पर जोर इसकी एक बानगी है। अच्छी बात यह भी रही कि ईंधन के मामले में भारत को स्थिरता प्रदान करने में रूसी योगदान की प्रधानमंत्री मोदी ने खुलकर सराहना की, जो उचित भी था, क्योंकि अब हम खाड़ी देशों के बजाय सबसे अधिक तेल रूस से ही आयात करने लगे हैं।

भारत-रूस की मैत्री का व्यापक महत्व है। यह पुराना मित्र देश का भारत की ताकत रहा है, मार्गदर्शक रहा है, हर सुख-दुःख का साथी रहा है। नेहरु युग से ही भारत-रूस के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं। कश्मीर के मसले पर भारत जब-जब अलग-थलग पड़ता रहा, तब तब रूस ने भारत का साथ दिया। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में भी रूस का अनूठा योगदान रहा है। मोदी की यात्रा से भारत-रूस संबंधों एवं मित्रता की नई इबारत लिखी गयी है, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम सुखद होने वाले हैं।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

बारिश के बाद और भी, ये खुल गया मौसम
मैला अगर वो था जरा, तो धुल गया मौसम।

झांका किया वो देर तक, पर्वत की आड़ से,
मन की मेरी ही झील मे वो घुल गया मौसम।

मस्ती को जिसकी तौलना मुमकिन नही कभी,
अब आज उनकी आँख मे वो तुल गया मौसम।

आधाअधुरा वो यहाँ , ठहरा नहीं कभी
जब वो गया तो मान लो, वो कुल गया मौसम।

मस्ती में झूमता हूँ मैं, मदहोश है समां
दामन पे मेरे दिल के है, ये ढुल गया मौसम।

खुशबू तुम्हारी ले के ये, आया है दूर से,
मानिंद जैसे फूल के, हो खिल गया मौसम।

लिखता तुम्हारे नाम हूँ, मैं प्यार की जागीर,
गुंजन को तेरी राह में ,ये मिल गया मौसम।

- गोविन्द गुंजन

प्राकृतिक रूप से तालाब के पानी को स्वच्छ करने का

अद्भुत नवाचार है 'नीर नवजीवन परियोजना' : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने किया परियोजना का शुभारंभ

ईश्वर की विशेष कृपा है भोपाल का प्राकृतिक सौन्दर्य

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'नीर नवजीवन परियोजना' में प्राकृतिक रूप से तालाब के पानी को स्वच्छ करने का नवाचार अनुकरणीय है। इससे फाउंटेन, पेड़-पौधों तथा उपयुक्त जीवों के माध्यम से जल स्वतः स्वच्छ होता रहेगा। यह तकनीक किफायती है, वर्तमान परिस्थितियों में इसका प्रभाव और महत्व बहुत अधिक है। वर्तमान जीवन शैली के परिणामस्वरुप जल में आई विकृति का उपचार करने की यह अद्भुत पहल है। जिला प्रशासन व नगर निगम भोपाल के सहयोग से कक्षा 12वीं की छात्रा सुश्री ईप्सा अग्रवाल द्वारा यह परियोजना आरंभ की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस पहल के लिए बेटी ईप्सा अग्रवाल को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पांच नंबर के निकट स्थित झील बाल उद्यान में नीर नवजीवन परियोजना के शुभारंभ अवसर पर यह बात कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्यान में बरगद का पौधा रोपा और झील में फ्लोटिंग वेटलैंड प्रवाहित किए। स्थानीय सांसद श्री आलोक शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक श्री भगवान दास सबनानी तथा जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे।

- **भोपाल के बड़े तालाब की निर्माण तकनीक वर्तमान में भी प्रेरणादायी-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल का प्राकृतिक सौन्दर्य ईश्वर की विशेष कृपा है। वर्षा ऋतु में भोपाल की सुंदरता और अधिक बढ़ जाती है। ताल-तलैया, झील एवं एक हजार साल पहले निर्मित बड़े तालाब की अद्भुत छटा होती है। शहर का आकर्षण ऐसा है कि जो एक बार भोपाल आता है, वह यहीं का होकर रह जाता है। भोपाल का बड़ा तालाब बांध निर्माण का सर्वोत्तम उदाहरण है। इसके निर्माण की तकनीक वर्तमान में भी प्रेरणादायी है।
- **सुश्री ईप्सा ने बताई झील को प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित रखने की तकनीक-** नीर नवजीवन परियोजना की सुश्री ईप्सा अग्रवाल ने बताया कि झील बाल उद्यान को नवजीवन देने के उद्देश्य से आरंभ की गई परियोजना में झील को प्राकृतिक और वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित किया जाएगा। झील में 4 फ्लोटिंग वेटलैंड और 8 पौधों वाले 8 बायोफिल्टर लगाए जा रहे हैं। पानी की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए 2 फ्लोटिंग एरेटर भी लगाए गए हैं। आगामी 3 महीनों में 208 किलोग्राम बायो कल्चर डाला जाएगा। इससे पानी स्वतः शुद्ध होगा। आस-पास का वातावरण स्वच्छ और क्षेत्र का इकोलॉजिकिल संतुलन बना रहेगा।

एमपी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस बने गुरमीत सिंह

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने की थी सिफारिश; पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में रह चुके हैं जज

गुरमीत सिंह संधावालिया
चीफ जस्टिस, मप्र हाईकोर्ट

जबलपुर (नप्र)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस गुरमीत सिंह संधावालिया होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। गुरमीत सिंह मध्यप्रदेश से पहले पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी जस्टिस रह चुके हैं।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने इसका प्रस्ताव भेजा था। प्रस्ताव में कहा गया- पंजाब और हरियाणा राज्यों के लिए हाईकोर्ट देश के सबसे बड़े उच्च न्यायालयों में से एक है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश को चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त करना उचित होगा, इसलिए कॉलेजियम न्यायमूर्ति जीएस संधावालिया को एमपी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश करता है।

2011 में अतिरिक्त न्यायाधीश बने थे

जस्टिस संधावालिया को 30 सितंबर 2011 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का एडिशनल जज बनाया गया था। 24 जनवरी 2014 को वे स्थायी जज बन गए थे। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में उनके पूर्व जस्टिस शील नागू को 4 जुलाई को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस बनाया गया था। जस्टिस संजीव सचदेवा तब से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस के रूप में कार्य कर रहे हैं।

800 गांव बाढ़ में डूबे 'पानी-पानी' हुआ यूपी

20 लाख लोग प्रभावित, दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर 3 फीट तक पानी

उत्तराखंड में बद्रीनाथ रूट पर लैंडस्लाइड,4 हजार से ज्यादा श्रद्धालु फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज बारिश के कारण नेपाल-यूपी बॉर्डर के करीब 7 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज के करीब 800 गांव में 20 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। यूपी की कई नदियां उफान पर हैं। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर शाहजहांपुर में करीब 2 से 3 फीट पानी भर गया है। इस कारण हाईवे का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। गाड़ियों को डाइवर्ट करके निकाला जा रहा है। शाहजहांपुर के मेडिकल कॉलेज में भी पानी भरने के बाद मरीजों को शिफ्ट कर दिया गया था।

उधर, उत्तराखंड में लगातार पांच दिन से हो रही बारिश और भूस्खलन के कारण 200 सड़कें बंद हैं। सबसे खराब हालात बद्रीनाथ रूट पर है, जहां 22 जगह लैंडस्लाइड से चार धाम यात्रा मार्ग 3 दिन से बंद है। 4 हजार श्रद्धालु सड़कों पर फंसे हैं। मुंबई में देर रात और सुबह तेज बारिश के कारण सड़कों और रेलवे ट्रैक पर पानी भर गया। ट्रेन और फ्लाइट सर्विस भी प्रभावित हुई हैं। इंडिगो एयरलाइंस ने भी एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि फ्लाइट्स के टेक-ऑफ में देरी हो सकती है। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में नदियों में बाढ़ आ गई है। शाहजहांपुर में एसडीआरएफ को रेस्क्यू के लिए लगाया गया है।

अब खुलेगा नीट यूजी पेपर लीक का बड़ा राज !

मास्टरमाइंड के गिरफ्त में आते ही सीबीआई आश्वस्त, कोलकाता से भी जुड़ा कनेक्शन

पटना (एजेंसी)। ये लोग तारीख पर तारीख पर देते रहेंगे, तो डेट आगे बढ़ती रहेगी। हमारा समय बर्बाद होगा। इससे हमारे ऊपर यह चुनौती है कि हमें समय कितना मिलेगा पढ़ने के लिए, यह तस्वीर साफ नहीं हो पा रही है।

हमारा भविष्य अधर में लटका हुआ है। हम कोर्ट से मांग करते हैं कि तारीख पर तारीख देना बंद करे और तुरंत फैसला सुनाए। उपरोक्त बयान विकास नाम के एक छात्र का है। नीट-यूजी पेपर लीक होने के बाद छात्रों की मानसिक स्थिति क्या है। इस बयान से आप उसका अंदाजा लगा सकते हैं।

वहीं दूसरी ओर सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। सीबीआई ने जब से जांच का जिम्मा लिया है, अब तक दर्जनों आरोपियों की गिरफ्तारी कर चुकी है। सीबीआई आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है। सीबीआई ने अब तक बिहार और झारखंड के हजारीबाग और झरिया से कई लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी के इस पेपर लीक में शामिल होने के कुछ न कुछ सबूत मिले हैं। अब

सीबीआई के हत्थे एक ऐसा शख्स चढ़ा है, जो इस खेल का मास्टरमाइंड है। उसका नाम रॉकी उर्फ राकेश रंजन बताया जा रहा है। सीबीआई ने गुरुवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा में कथित पेपर लीक की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) के एक प्रमुख संदिग्ध राकेश रंजन उर्फ रॉकी को गिरफ्तार किया।

जो करेगा जाति की बात, उसको मारूंगा कसकर लात

- जातिगत राजनीति को लेकर भड़के नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कास्ट की पॉलिटिक्स करने वाले नेताओं पर निशाना साधा है। गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि महाराष्ट्र में इस समय जातिवाद की राजनीति हो रही है। मैं किसी भी तरह के जात-पात को नहीं मानता हूं और जो इसकी बात करेगा तो मैं उसको कसरक लात मारूंगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में करीब 40 फीसदी मुसलमान हैं। मैंने उनको पहले ही बता दिया था कि मैं आरएसएस वाला हूं और हाफ चड्डी वाला हूं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 38.5 °c
न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार,13 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

ममता बनर्जी और बंगाल गवर्नर के बीच अब आ गया नया विवाद

● ताबड़तोड़ 8 बिल खारिज करने पर एससी पहुंची टीएमसी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एक बार फिर ममता बनर्जी और गवर्नर सीवी आनंद बोस के बीच ठन गई है। ममता सरकार के आठ विधेयकों को गवर्नर बोस द्वारा खारिज करने से यह नया विवाद उपजा है। ममता सरकार ने गवर्नर के फैसले के खिलाफ अब सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बंगाल सरकार की वकील आस्था शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका पर देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ से तत्काल सुनवाई करने का अनुरोध किया है। याचिका में कहा गया है कि गवर्नर ने बिना कोई कारण बताए आठ विधेयकों को खारिज कर दिया है।

आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम की अब बढ़ सकती है मुश्किल

● जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। उनके अलावा चार अन्य के खिलाफ भी केस दर्ज हुआ है, जिसमें दो आईपीएस अधिकारी और दो रिटायर अधिकारी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह केस टीडीपी विधायक रघुराम कृष्ण राजू की शिकायत पर दर्ज किया गया है। रेड्डी के अलावा आईपीएस अधिकारी पीवी सुनील कुमार, सीतारामजानेयुलू और रिटायर्ड पुलिस अधिकारी आर विजय पॉल के नाम भी शामिल हैं।

हुड्डा के करीबी, जेजेपी और बीजेपी को भी चटाई थी धूल

● सोनीपत के मेयर निखिल मदान ने छोड़ी कांग्रेस, बीजेपी में शामिल

सोनीपत (एजेंसी)। नगर निगम सोनीपत के मेयर निखिल मदान को दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में कांग्रेस छोड़कर अपने समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल हो गए। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली भी मौजूद रहे। इस अवसर पर मनोहर लाल ने कहा कि बीजेपी सरकार की कार्यशैली से प्रभावित होकर मेयर निखिल मदान ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। वे मेयर निखिल मदान का बीजेपी परिवार में स्वागत करते हैं। वहीं, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि निखिल मदान विकास को लेकर हमेशा तत्पर रहते हैं।

अंतरिम जमानत के बाद सीएम केजरीवाल को फिर लगा झटका

● दिल्ली की अदालत ने 25 जुलाई तक बढ़ाई न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम केजरीवाल को ईडी वाले मामले में तो अंतरिम जमानत मिल गई, लेकिन सीबीआई वाले केस में उन्हें झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ा दी है। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में ईडी और सीबीआई दोनों ने उन्हें अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ने दोनों ही गिरफ्तारी को चुनौती दी है। सीबीआई वाली गिरफ्तारी पर दिल्ली हाई कोर्ट 17 जुलाई को सुनवाई करेगा। सीएम केजरीवाल को सुबह 11 बजे के लगभग सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली।

संक्षिप्त समाचार

मुझसे मिलने वाले स्थानीय आधार कार्ड लेकर आएं

● कंगना बोलीं-मिलने का कारण भी लिखकर लाएं, कांग्रेस बोली- हमारे दरवाजे सबके लिए खुले

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट ने कहा है कि उनसे मिलने वाले मंडी क्षेत्र का आधार कार्ड लेकर आएं। मिलने आने वाले लोगों को अपने आने का मकसद कागज पर लिखकर लाना होगा। कंगना ने गुरुवार को मंडी के पंचायत भवन में आयोजित जनता से संवाद कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यहां पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा- हमारे प्रदेश में पूरे देश से बहुत सारे पर्यटक आते हैं, इसलिए मिलने आने वाले लोगों के पास मंडी क्षेत्र का आधार कार्ड होना जरूरी है। लोगों की समस्या या मिलने का कारण भी कागज पर लिखकर ही लाएं।

राज्य नहीं कर सकते हाईवे बंद, इसे जल्द खोला जाए

● शंभू बॉर्डर को लेकर हरियाणा सरकार से बोला सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शंभू बॉर्डर खोलने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार की याचिका पर कहा कि कोई राज्य हाईवे को कैसे रोक सकता है। किसान भी देश के नागरिक हैं। उनकी

समस्याओं का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार को काम यातायात को नियंत्रित करना है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी हरियाणा और पंजाब हाईकोर्ट के उस फैसले के बाद आई है जिसमें उसने सप्ताहभर में शंभू बॉर्डर को खोलने का आदेश दिया था। शंभू बॉर्डर पर किसान पिछले 5 महीने से धरने पर बैठे हैं।

हार-जीत लगी रहती है न करें अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल

● स्मृति ईरानी के खिलाफ भद्दे कमेंट करने वालों से राहुल गांधी ने की अपील

अमेठी (एजेंसी)। स्मृति इरानी पर भद्दे कमेंट करने वालों को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने नसीहत दी है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लोगों से ऐसा न करने के लिए कहा। राहुल ने

लिखा कि हार-जीत जीवन में लगी रहती है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि स्मृति ईरानी जी या किसी अन्य नेता के खिलाफ किसी भी प्रकार की कोई अपमानजनक या भद्दी टिप्पणी न की जाए। किसी का अपमान करना या किसी को नीचा दिखाना यह शक्तिशाली होने का नहीं कमजोर होने का प्रदर्शन करना है। किसी को भी ऐसा नहीं करना चाहिए।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, 20 मीटर घसीटता ले गया

ग्वालियर में बहन-भाई और डेढ़ साल के भांजे की मौत; दो घंटे तक चक्काजाम

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर में ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक बाइक को 20 मीटर तक घसीटता ले गया। घटना भाई-बहन और डेढ़ साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि तीन साल की बच्ची घायल हो गई। मौके पर मौजूद गुस्साए लोगों ने दो घंटे तक चक्काजाम किया। घटना शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे ग्वालियर-झांसी हाइवे पर सिकरौदा सिरोलकी की है।

मृतक करण कुशवाह, उसकी बहन मालती कुशवाह (24) पत्नी रवि कुशवाह, मोहित (डेढ़ साल) पिता रवि कुशवाह हैं। वहीं, तीन साल की बेटी एकता घायल हो गई।

ग्वालियर में पुरानी छावनी रायरू गांव के रहने वाले करण कुशवाह के चचेरे भाई की गुरुवार को शादी थी। शादी में भितरवार से उसकी बहन मालती अपने दोनों बच्चों मोहित व एकता (3) के साथ आई थी। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे करण बहन और भाजे-भांजी को ससुराल छोड़ने बाइक से निकला था। वह सिरोल थाना क्षेत्र के सिकरौदा तिराहा पर पहुंचा। यहां सामने से तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी।

20 मीटर तक बाइक को घसीटता ले गया ट्रक- टक्कर के बाद ट्रक बाइक के नीचे फंस गई। ट्रक बाइक सवारों को रौंदता हुआ करीब 20 मीटर तक घसीटता ले गया। ट्रक ड्राइवर मौके से भाग गया। बच्ची उचट कर दूर जा गिरी।

घायल बच्ची को हॉस्पिटल पहुंचाया। इधर, परिजन ने भी मौके पर पहुंचकर हंगामा कर दिया। परिजन ने शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। झांसी व ग्वालियर की ओर जाने वाले वाहनों की कतार लग गई। सिरोल थाना प्रभारी आलोक भदौरिया से आक्रोशित परिजन की झूमाझटकी भी की।

बीजेपी सांसद की पत्नी ने कराया मुंडन

छिंदवाड़ा में पति की जीत के लिए मांगी थी मन्नत; कहा- प्रतिज्ञा पूरी हुई

छिंदवाडा (नप्र)। छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद विवेक बंटी साहू की पत्नी शालिनी साहू ने मुंडन कराया है। उन्होंने कहा, 'हाल में हुए लोकसभा चुनाव में पति की जीत के लिए मन्नत मांगी थी, इसलिए तिरुपति बालाजी जाकर प्रतिज्ञा पूरी की है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने विवेक बंटी साहू को उम्मीदवार बनाया था। 4 जून को आए नतीजों में उन्होंने कमलनाथ के बेटे और कांग्रेस उम्मीदवार नकुलनाथ को एक लाख से ज्यादा वोटों से हराया। चुनाव के दौरान शालिनी साहू ने भी महिलाओं के साथ प्रचार किया था।विवेक बंटी साहू की पत्नी शालिनी साहू अपने बेटे के साथ तिरुपति बालाजी पहुंची थीं।

पति की जीत पर मुंडन कराने की मांगी थी मन्नत- विवेक बंटी साहू की पत्नी शालिनी साहू ने बताया, 'चुनाव से पहले मन्नत मांगी थी कि पति की जीत के बाद तिरुपति बालाजी जाकर मुंडन कराऊंगी।

हाल ही में बेटे के साथ तिरुपति बालाजी पहुंची। यहां मन्नत के मुताबिक मंगलवार को मुंडन कराया और भगवान बालाजी को बाल अर्पित किए।' शालिनी ने जीत की कामना को लेकर छिंदवाड़ा से जामसांवली हनुमान मंदिर तक पदयात्रा भी की थी।

सास ने की थी हनुमान मंदिर तक दंडवत यात्रा

बंटी विवेक साहू की सास यानी शालिनी साहू की मां ने भी अपने दामाद के लिए मनोकामना मांगी थी। चुनाव में जीत के तुरंत बाद विवेक बंटी की सास भी हनुमान मंदिर तक दंडवत प्रणाम करते पहुंची थीं।

केंद्र का ऐलान, 25 जून 'संविधान हत्या दिवस' घोषित

नोटिफिकेशन जारी,1975 में इसी दिन लगी थी इमरजेंसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित कर दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार 12 जुलाई को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। सरकार ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी किया है। शाह ने लिखा, 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाना इस बात की याद दिलाएगा कि उस दिन क्या हुआ था और भारत के संविधान को कैसे कुचला

गया था। ये भारत के इतिहास में कांग्रेस द्वारा लाया गया एक काला दौर था। उधर, कांग्रेस ने सरकार के इस फैसले को एक और सुर्खियां बटोरने वाली कवायद बताया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, यह नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री की एक और सुर्खियां बटोरने वाली कवायद है, जिसने दस साल तक अघोषित आपातकाल लगाया था। उसके बाद भारत के लोगों ने उसे 4 जून, 2024 को एक निर्णायक व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार दी- जिसे इतिहास में मोदी मुक्ति दिवस के रूप में जाना जाएगा। इस साल 25 जून को इमरजेंसी की 49वीं बरसी थी। इससे एक दिन पहले यानी 24 जून को 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में विपक्षी सांसदों ने संविधान की कॉपी लेकर शपथ ली थी।

महाराष्ट्र एमएलसी चुनाव में एनडीए के सभी 9 प्रत्याशी जीते

● कांग्रेस का 1 उम्मीदवार विजयी, एमवीए के विधायकों ने की क्रॉस वोटिंग

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधान परिषद के चुनाव में एनडीए को जबर्दस्त जीत मिली है। कुल 11 सीटों में से 9 सीटें भाजपा, शिंदे और अजित पवार की पार्टी के खाते में गई हैं। इनके सभी 9 उम्मीदवार चुनाव जीत गए हैं। इंडिया के 2 प्रत्याशियों को जीत मिली। एक कैंडीडेट क्रॉस वोटिंग की वजह से चुनाव हार गया। ऐसा बताया जा रहा है कि महाविकास अघाड़ी के 7 से 8 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। 11 सीटों के लिए शुक्रवार को वोटिंग हुई थी। इसके बाद काउंटिंग शुरू हुई। विधान भवन कॉम्प्लेक्स में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक 270 विधायकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

वायुसेना को 15 अगस्त तक मिलेगा पहला तेजस मार्क 1ए

● *अमेरिकी कंपनी सितंबर-अक्टूबर से जीई-404 इंजन की सप्लाई करेगी, इसमें एडवांस्ड रडार और सेल्फ डिफेंस की क्षमता*

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हाल) भारतीय वायु सेना को पहला एलसीए

मार्क-1ए फाइटर जेट (तेजस) 15 अगस्त तक डिलीवर कर देगी। सॉफ्टवेयर इंटीग्रेशन में दिक्कतों और जीई-404 इंजन की सप्लाई में देरी के कारण इसमें रुकावट आ रही थी। अब अमेरिकी इंजन निर्माता कंपनी जीई की तरफ से कन्फर्मेशन दे दिया है, जिसके बाद इंजन की सप्लाई सितंबर-अक्टूबर से शुरू हो जाएगी।

इससे पहले फरवरी-मार्च में डिलीवरी होनी थी। एचएएल इंजन की डिलीवरी में तेजी लाने और मंथली सप्लाई रेट को बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। वायुसेना के अधिकारियों के मुताबिक तेजस की इंडक्शन सेरेमनी के लिए पीएम मोदी को आमंत्रित किया जा सकता है। दरअसल एलसीए मार्क 1ए प्रोजेक्ट की शुरुआत पीएम मोदी के कार्यकाल के दौरान ही हुई थी। इसके लिए हाल को 83 जेट के लिए 48 हजार करोड़ रुपए का ऑर्डर पहले ही मिल चुका है। 2024 के आखिर तक 97 और फाइटर जेट के लिए 65 हजार करोड़ रुपए का ऑर्डर मिलने की संभावना है।

आतंकी साजिश मामले में एनआईए का बड़ा ऐक्शन

2 दहशतगर्दों के खिलाफ दाखिल हुई चार्जशीट, कई खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आईएस आतंकी साजिश मामले में 2 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दायर किया है। ये दोनों ग्लोबल टेरर नेटवर्क के औरंगाबाद स्थित छत्रपति संभाजीनगर से जुड़े मॉड्यूल में शामिल थे। एनआईए ने इस साल फरवरी में कई जगहों पर तलाशी के बाद

मोहम्मद जोहेब खान को गिरफ्तार किया था। जोहेब और लीबिया में रह रहे मोहम्मद शोएब खान पर आईएसआईएस के भारत विरोधी एजेंडे को बढ़ावा देने की साजिश का आरोप है। दोनों ने पूरे भारत में संवेदनशील स्थानों पर आतंकी हमलों के लिए युवाओं को भर्ती करने की साजिश रची थी। मुंबई स्थित एनआईए स्पेशल कोर्ट में शुक्रवार को यह आरोप पत्र दायर किया गया।

हाथरस हादसे पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

कहा-हाईकोर्ट जाएं, याचिका में जांच कमेटी की मांग की गई थी

लखनऊ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हाथरस भगदड़ मामले पर दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि घटना परेशान करने वाली है, लेकिन ऐसे मामलों में हाइकोर्ट ही पर्याप्त है। कोर्ट ने याचिका लगाने वाले को हाईकोर्ट जाने को कहा। इस जनहित याचिका में हादसे की जांच की मांग की गई थी। 2 जुलाई को दाखिल याचिका में कहा गया था- जांच के लिए पांच एक्सपर्ट की टीम गठित की जाए। सुप्रीम कोर्ट के

रिटायर्ड जज की निगरानी में जांच हो। याचिका सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला एवं जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच में सुनवाई के लिए आई। अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दायर याचिका में घटना पर उत्तर प्रदेश सरकार को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने एवं लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू करने की मांग भी की थी। इसमें सुप्रीम कोर्ट से राज्यों को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी धार्मिक या अन्य आयोजन के आयोजन में जनता की सुरक्षा के लिए भगदड़ रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी करें।

इंदौर में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का अलग अंदाज

सभामंच से पूछा- ओ लाल घूंघट वाली, पेड़ों की रखवाली करोगी ना.., खूब लगे ठहाके

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के कनाड़िया इलाके में गुरुवार देर शाम पौधारोपण करने आए केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जुदा अंदाज में दिखे। उन्होंने पौधों को पेड़ बनाने का महत्व और उनकी रखवाली का तरीका जिस अंदाज में समझाया, उसे देखकर कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट समेत तमाम नेता खूब हंसते रहे। एक मौका ऐसा आया जब उन्होंने पौधों की सुरक्षा के लिए भीड़ से पूछा कि पौधों के लिए हफ्ते में एक बार तो ड्यूटी देने आ सकते हो। हां या नहीं? दो माह में एक बार आकर 60 पेड़ों की रखवाली करेंगे? फिर यही प्रति प्रश्न तीन बार किया। लोगों द्वारा हां करने पर भी मजाकिया अंदाज में बोले मुझे सुनाई नहीं दिया। सिंधिया ने फिर पूछा रखवाली करेंगे? वे यहां भी नहीं रुके। उन्होंने दूरी पर बैठी एक महिला को देखकर पूछा- अरे ओ, लाल घूंघट वाली, तुम करोगी रखवाली? तीन बार उस महिला से हाथ उठवाकर पूछा कि बताओ करोगी रखवाली? इस पर भी खूब ठहाके लगे। बता दें कि इंदौर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 7 से 14 जुलाई तक 51 लाख पौधे रोपे जा रहे हैं। इसी कार्यक्रम में सिंधिया आए थे।

सिंधिया बोले, पुष्यमित्र जी से निवेदन है कि हर पेड़ के चारों तरफ प्राकृतिक फैंस भी बनाइए। उन्होंने यह भी कहा कि 60-60 दिन में बांट लीजिए। इससे एक आदमी को 60 दिन में एक चक्कर लगाना पड़ेगा और पौधों की रखवाली हो जाएगी।

मेयर जी हर पौधे का फोटो वेबसाइट पर अपलोड कराएं- सिंधिया बोले, मैं पुष्यमित्रजी से निवेदन करूंगा कि हर पेड़ के चारों तरफ एक प्राकृतिक फैंस भी बनाइये। नहीं तो लोग गिनती भी भूल जाएंगे। हर पेड़ के साथ व्यक्ति का नाम भी लिखना चाहिए। नगर निगम से मेरा निवेदन है कि वेबसाइट पर हर पेड़ का फोटो अपलोड करना चाहिए, नाम समेत। फिर लोगों की तरफ हाथ दिखाते हुए कहा कि इससे पता चलेगा कि पौधा इतना बढ़ रहा है और फिर हाथ झुका कर कहा कि इतना मुरझा रहा है।

जिनका पौधा मुरझाएगा उनके नाम की लिस्ट अखबार में देंगे

उन्होंने कहा जब वेबसाइट पर पौधों का फोटो मुड़ा दिखेगा तो पता चलेगा कि हमने अपने बच्चे का देखभाल नहीं की। फिर सवाल किया कि हम सब रखवाली करेंगे? लोगों के हां करने पर पर जान बूझकर कहा कि मुझे सुनाई नहीं दिया। हाथ उठाओ करोगे? उनके यह कहते ही सभी लोगों के साथ मंच पर बैठे मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, मेयर पुष्यमित्र भार्गव, गोलू शुक्ला सहित सभी ने हाथ उठाकर खूब ठहाके लगाए। सिंधिया ने कहा कि पुष्यमित्र जी लिस्ट बनवाएंगे, निगम की वेबसाइट पर डलवाएंगे। फिर जिनके पेड़ मुरझा गए हैं, उनके नाम की लिस्ट अखबारों में देंगे? खास बात यह कि सिंधिया ने पूरा भाषण बिना माइक के ही दिया। बीच में मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने उन्हें माइक देना चाहा तो इशारे से मना कर दिया।

इंदौर पुलिस अब तक नहीं ले सकी बम का बयान

लॉ कॉलेज फैकल्टी विवाद में कोर्ट से फिर मांगा दो महीने का समय

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले अक्षय कांति बम के कॉलेज को लेकर लगी याचिका में पुलिस ने एक बार फिर कोर्ट से दो माह का समय मांगा है। अक्षय के कॉलेज को लेकर पुरानी फैकल्टी ने 1 मई को परिवाद दायर किया था। जिसकी सुनवाई 10 मई को हुई थी। इसमें पुलिस को जवाब देने के लिए 10 जुलाई तक का समय दिया गया था। 10 जुलाई को राउ पुलिस ने बम का बयान लेने और अन्य इन्वेस्टिगेशन के लिए सरकारी वकील के माध्यम से फिर 2 माह का समय मांगा है। वकील कृष्ण कुमार कुन्हारे ने बताया कि पुलिस ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि अभी कॉलेज के मामले में अक्षय कांति बम के बयान नहीं हुए हैं। उन्हें सूचना भेजी गई। लेकिन बयान देने नहीं आए। इसके साथ ही उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेम वर्क (एनआईआरएफ) की रिपोर्ट का हवाला भी दिया। जिसमें

कॉलेज की तरफ से जानकारी भेजी जाती है। वही उन्होंने बताया कि जिस भी वेबसाइट के माध्यम से फैकल्टी और अन्य जानकारी दी गई है। उसका भी डेटा अभी इकट्ठा करना है। जिसमें समय लग रहा है।

यह है पूरा मामला

अक्षय के कॉलेज इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ की पुरानी फैकल्टी डॉ कविता दवे, विशाल पुराणिक, रूपाली व अन्य असिस्टेंट और एसोशिएट प्रोफेसर के पद पर कॉलेज में नौकरी करते थे। सभी ने काफी समय पहले कॉलेज छोड़ दिया था। इसके अलावा रश्मि शुक्ला नाम की फैकल्टी ने नवंबर 2022 में सुसाइड कर लिया था। इसके बावजूद कॉलेज मैनेजमेंट ने वेबसाइट पर नेशनल इंस्टीटयूशन रैंकिग फ्रेमवर्क के डेटा में असिस्टेंट प्रोफेसर रश्मि शुक्ला, विशाल पुराणिक, आशीष कुमार सोनी, डॉक्टर माधुरी मोदी, डॉक्टर योगिता मेनन, डॉक्टर योगिता चौहान, अमरेश पटेल, नवीन दवे, सौरभ कुमार, डॉक्टर दिनेश अशोक, डॉ कविता दुबे, करणजीत कौर और रूपाली को कालेज में नियमित नौकरी पर दिखाया।

यह डेटा मार्च अप्रैल 2024 में ही अपलोड किया गया। फैकल्टी के दस्तावेज के जरिए नेट रैंकिंग + एवं ऑटोनॉमस स्टेटस भी प्राप्त किया था। इस मामले में परिवाद बनाकर कोर्ट में माननीय न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। जिसमें अब दो माह का और समय लिया गया है।

सीएम यादव से मिलने भोपाल पहुंचे इंदौर के 9 विधायक

सीएम करेंगे विधायकों के पिछले 6 महीने के काम की समीक्षा

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर की 9 विधानसभा के सभी विधायकों से सीएम मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात के साथ ही सीएम इंदौर की सभी 9 विधानसभा की समीक्षा करेंगे। बताया जा रहा है कि इंदौर के सभी विधायक सीएम से मिलने के लिए भोपाल पहुंच चुके है।

सीएम यादव की विधायकों से यह

मुलाकात सीएम हाउस स्थित सभागार में होगी। गौरतलब है कि सीएम अभी तक 4 संभाग के विधायकों से मुलाकात कर उनकी विधानसभा की समीक्षा कर चुके है। बीजेपी पदाधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार सीएम से मुलाकात करने के लिए इंदौर के अधिकतर विधायक गुरुवार रात को ही भोपाल पहुंच गए थे। वहीं कुछ विधायक शुक्रवार सुबह भोपाल के लिए रवाना हुए है। सीएम से मुलाकात में इंदौर संभाग का नंबर है।

इस संवाद के लिए विधायकों को पूरी तैयारी के साथ पहुंचने के लिए कहा गया है। उनसे यह जानकारी भी चाहिए विधायक निर्वाचित होने के बाद अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए उन्होंने क्या-क्या काम किए हैं।

करंट से 3 साल की बच्ची की मौत, केस दर्ज

मीटर बॉक्स के पास खिलौना निकालते समय चपेट में आई, तार में कट होने से फैला करंट

इंदौर (एजेंसी)। खेलते-खेलते तीन साल की बच्ची का खिलौना मीटर बॉक्स की जाली के पास चला गया। बिजली के तार में कट होने से वहां करंट फैला था। बच्ची ने खिलौना निकालने की कोशिश की तो वो चपेट में आ गई। करंट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना के करीब 5 दिन बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। द्वारकापुरी थाना पुलिस ने 3 साल की बच्ची की करंट लगने से हुई मौत के मामले में इलेक्ट्रीशियन जितेन्द्र सिलोदिया निवासी न्यू प्रकाश नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। घटना 5 जुलाई को दिग्विजय मल्टी की है। आरोपी जितेन्द्र सिलोदिया द्वारा लापरवाही पूर्वक काम करते हुए मल्टी में लगे मीटर बाक्स के पैनल में डायरेक्ट एक सिंगल वायर (तार) जोड़कर मल्टी के डक्ट से अपने फ्लैट में बिजली कनेक्शन चालू कर लिया था। वायर में कट के कारण शार्ट होने से मीटर बाक्स में लगी लोहे की जाली में करंट फैल गया। तीन साल की बच्ची खेलने के दौरान वहां पहुंची तो उसका खिलौना अंदर चला गया। बच्ची ने खिलौना उठाने की कोशिश की तो करंट की चपेट में आ गई। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी जितेंद्र के खिलाफ 106(1) बीएनएस के तहत दर्ज किया है।

40 वर्षीय महिला का फोटो फेसबुक पर डाला, केस

इंदौर (एजेंसी)। फेसबुक पर 40 साल की महिला की फोटो बिना अनुमति के आरोपी ने अपडेट कर दी। महिला ने आपत्ति ली और फोटो हटाने के लिए कहा तो आरोपी विवाद करने लगा। महिला और उसके बच्चों को गाली दी। हाथापाई करने लगा। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। द्वारकापुरी थाना पुलिस ने फरियादी संगीता उम्र 40 साल निवासी द्वारकापुरी की शिकायत पर आरोपी अशोक सचदेव निवासी अंकल गली द्वारकापुरी के खिलाफ केस दर्ज किया है। फरियादी ने पुलिस को बताया कि घटना 11 जुलाई दोपहर की है। अशोक सचदेव ने फरियादी की फोटो फेसबुक पर अपडेट कर दी। इस पर फरियादी और बच्चों ने उसे फोटो हटाने का कहा। इस पर अशोक गाली देने लगा और फोटो हटाने से मना कर दिया। गालियां देने से उसे मना किया तो उसने फरियादी और बच्चों के साथ हाथा पाई की और जान से मारने की धमकी दी।

इंदौर में सिख समाज ने पलसीकर कॉलोनी में किया पौधारोपण

गोल बगीचे में लगाए छायादार और फलदार पौधे

इंदौर (एजेंसी)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए गए अभियान प्रकृति और मां का सम्मान, एक पेड़ मां के नाम एवं कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गी द्वारा लिए गए संकल्प 51 लाख वृहद पौधारोपण अभियान की श्रृंखला को जोड़ते हुए सिख समाज ने 7 जुलाई से 13 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर पौधारोपण करने का अभियान शुरू किया है।

उसी कड़ी को जोड़ते हुए इंदौर में सिख समाज द्वारा सिख पंथ की महान शख्सियत भाई

चमनजीत सिंह लाल दिल्लीवाले एवं श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष मनजीत सिंह रिंकू भाटिया की मौजूदगी में गुरुद्वारा पलसीकर कॉलोनी के सामने गोल बगीचे में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बगीचे में आम, जामुन, नीम, गुड़हल, चंपा सहित कई छायादार और फलदार पौधे लगाए गए। इसमें बड़ी संख्या में समाजजन ने अपनी भागीदारी निभाई। पौधारोपण कार्यक्रम में गुरु सिंह सभा के सदस्य सरदार जगजीत सिंह टुटेजा, सरदार हरमीत सिंह भाटिया, समाज के वरिष्ठ सरदार गुरमीत सिंह गांधी, सरदार खुश्मीत सिंह गांधी, सरदार नरेंद्र सिंह सलूजा, सरदार जोगिंदर सिंह होरा, सरदार राजेंद्र सिंह होरा सिख यूथ विंग के अध्यक्ष सनी टुटेजा, रूबल खनूजा गुरुद्वारा पलसीकर कॉलोनी की प्रबंधक कमेटी समाज के वरिष्ठ जन एवं युवा साथी और मातृशक्तियों ने उपस्थित होकर पौधारोपण किया।

क्षेत्र में सफाई नहीं होने से रहवासी परेशान

इंदौर (एजेंसी)। वार्ड 18 में रहवासी और पार्षद पति आमने-सामने हो गए। क्षेत्र में गंदगी की समस्या हल नहीं होने पर शिवकंठ नगर के रहवासी ने सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया तो पार्षद पति को गुस्सा आ गया। आरोप है कि उन्होंने वीडियो अपलोड करने वाले व्यक्ति के घर जाकर उसके साथ मारपीट की। घटना के बाद रहवासियों और पार्षद पति के बीच विवाद, गाली-गलौज और झूमाझटकी का वीडियो भी गुरुवार दोपहर वायरल होता रहा। वार्ड की पार्षद सोनाली परमार हैं। लोगों का कहना है कि गंदगी पसरी है। पानी, बिजली और सड़कों के गड्ढे सहित कई समस्याएं हैं। ड्रेनेज के ढक्कन खुले हैं। बारिश का पानी भरने से गंदगी है।

धोखाधड़ी के मामले में कोचिंग संचालकों पर केस

67 पेरेंट्स ने क्राइम ब्रांच को की थी शिकायत, 1 करोड़ से ज्यादा की धोखाधड़ी

इंदौर (एजेंसी)। जेईई की तैयारी करवाने वाली कोचिंग क्लास के डायरेक्टर सहित ब्रांच मैनेजर और एडमिन इंचार्ज के खिलाफ क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज किया है। क्राइम ब्रांच को पेरेंट्स की तरफ से शिकायत की गई थी। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि 67 पेरेंट्स के द्वारा कोचिंग क्लास के खिलाफ आवेदन दिया गया था। शहर में तीन स्थानों पर कोचिंग क्लास संचालित हो रही थी। तीनों ब्रांच के द्वारा एडवांस में पैसा ले लिया गया लेकिन स्टूडेंट्स को पढ़ाया नहीं जा रहा था। मामले में तीन लोगों को आरोपी बनाया है,

जिसमें डायरेक्टर, ब्रांच मैनेजर और एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर शामिल है। मामले में सबूत के आधार पर अन्य भी आरोपी बनाए जाएंगे। पेरेंट्स का कहना है कि 1 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। बता दें पेरेंट्स की तरफ से जनसुनवाई में कलेक्टर को शिकायत की गई थी। मामले में कलेक्टर ने जांच के लिए कहा था। तब संभावना थी कि फिटजी की तरफ से पेरेंट्स को रुपए लौटा दिए जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

इंदौर से शुरू हुई युवा कांग्रेस की 'छात्र अधिकार यात्रा'

गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भोपाल रवाना हुई, पूर्व मंत्री वर्मा ने दिखाई हरी झंडी

इंदौर (एजेंसी)। युवा कांग्रेस के कार्य-वाहक अध्यक्ष निखिल वर्मा के नेतृत्व में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मध्य प्रदेश में छात्रों के साथ हुए नीट परीक्षा घोटाला, नर्सिंग घोटाला और एमबीए पर्चा लीक कांड जैसे घोटाले को लेकर इंदौर से भोपाल तक आज अधिकार यात्रा लेकर रवाना हुए। यह यात्रा इंदौर, देवास, सोनकच्छ, आष्टा और सीहोर होती हुई 16 जुलाई को भोपाल पहुंचेगी। इस यात्रा को आज मध्य प्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा ने हरि झंडी दिखाकर इंदौर से भोपाल के लिए रवाना किया। छात्र अधिकार यात्रा भोपाल पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेंगे।युवा कांग्रेस द्वारा निकाली जा रही पैदल छात्र अधिकार यात्रा में उपस्थित सैकड़ों छात्रों को संबोधित करते हुए प्रदेश के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है आज प्रदेश का ही नहीं पूरे देश का छात्र निराश वह हताश है।

व्यापम जैसे महा घोटाले के बाद नीट परीक्षा, नर्सिंग घोटाला, पटवारी परीक्षा, पेपर लीक जैसी कई घटनाएं एक बाद एक हो रही है प्रदेश मे बेरोजगारी चरम पर है भाजपा सरकार बेशर्म की तरह अपने पाप को छिपाने में लगी हुई है।मध्य प्रदेश पेपर लीक सहित ऐसी घटनाओं का गढ़ बन चुका है हमारे देश का होनहार छात्र दिन रात कड़ी मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी करता है और जब उसे पता चलता है कि उसके साथ छल हुआ है तो उसका स्वर्णिम स्वप्न टूट जाता है। नीट की परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में आज पूरे देश का युवा आक्रोशीत और आंदोलित है पर भारतीय जनता पार्टी का आनुषंगिक संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कही नजर नहीं आ रहा है। समय-समय पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राह दिखाने वाले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी इस विषय पर मौन धारण करके बैठे हुए हैं।

'एक पेड़ मां के नाम', अभियान की सज्जन सिंह वर्मा ने की तारीफ

कांग्रेस के पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना की है। उन्होंने कहा ये एक सार्थक पहल है। सवाल सिर्फ इतना है कि इंदौर वालों की ताई, जो सर्वमान्य नेता है सवाल उन्होंने खड़े किए हैं। यह यक्ष प्रश्न तो है ही की सिर्फ वाहवाही लूट लेने से किताबों में नाम दर्ज कर लेना, टीवी पर आ जाना सिर्फ यही उद्देश्य है, तो निश्चित रूप से उन्होंने इसकी आलोचना की है। क्योंकि वह देख चुकी है कि शिवराज सिंह चौहान ने नर्मदा परिक्रमा की थी, 6 करोड़ पौधे लगाए थे। आज 10 लाख पौधे भी उसमें से जीवित नहीं हैं। तो यह पवित्र उद्देश्य है। समर्पण के साथ यदि भाजपा के नेता गण इसमें अच्छी नीयत से काम करेंगे तो निश्चित रूप से हमारे इंदौर का मध्य प्रदेश का वातावरण सुधरेगा। लेकिन उद्देश्य साफ होना चाहिए।

78 दिन बाद खुलासा

एकतरफा प्यार में एक लड़की की मदद से मौत के घाट उतारा था बीफार्मा की छात्रा को

इंदौर (एजेंसी)। शिप्रा थाना क्षेत्र से ढाई माह से लापता बी फार्मा की छात्रा की हत्या में पुलिस ने उसके दोस्त और उसकी एक साथी को गिरफ्तार कर लिया है। दोस्त ने कबूला है कि एकतरफा प्यार में उसने अपनी दोस्त के साथ मिलकर पहले छात्रा की गला दबाकर हत्या की फिर उसे चाकू घोंपे। पुलिस को छात्रा का शव तो नहीं मिला है, लेकिन आरोपी की निशानदेही पर महू क्षेत्र में हरसौला के जंगलों में तलाशी के बाद छात्रा के शव की हड्डियां, बालों के सैंपल, कपड़ों के टुकड़े और ब्रेसलेट जब्त किए हैं। ग्रामीण एसपी हितिका वासल ने बताया कि पूरा मामला कॉलेज के स्टूडेंट्स के बीच चल रहे प्रेम त्रिकोण से जुड़ा है।

छात्रा सैयद सारा (19) की हत्या उसके दोस्त गौरव सुभाष सरकार (23) ने अपनी साथी मित्र स्निग्धा मिश्रा (18) के साथ मिलकर करना कबूला है। गौरव मृतका सारा को पसंद करता था। उससे एकतरफा प्यार भी करने लगा था। सारा किसी और को पसंद करती थी। कई बार उसने गौरव को इसके लिए मना किया लेकिन वह सारा के प्रति आकर्षित था। उसके परिजन ने भी सख्ती से उसे समझाया लेकिन वह नहीं माना। बाद में उसके रिश्तेदारों ने गौरव को धमकाकर पीछा छोड़ने के लिए सख्ती दिखाई तो उसने सारा की हत्या की साजिश कर ली।

स्निग्धा ने हाथ पकड़े, गौरव ने गला घोंटा

हत्या के बाद गौरव नासिक में एक रेस्टोरेंट में वेटर का काम करने चला गया था। शंका के आधार पर उसे हिरासत में लिया तो वह कुछ नहीं बता रहा था। इस पर एसपी हितिका वासल और एडिशनल एसपी ग्रामीण रूपेश द्विवेदी ने उसे झूठ बोलकर कहा कि सारा का शव हमें मिल गया है तुमने ही हत्या की है तो वह टूट गया और पुलिस की बात को सही मानकर हत्या कबूल ली। गौरव ने बताया कि सारा को मारने के लिए 25 अप्रैल को उसे कॉलेज लेने पहुंचा। यहां घूमने का बोलकर उसे कार में ले गया और मोबाइल बंद करा दिया।

इंदौर के नीरज को सीए मई-2024 में 6वीं रैंक

कड़ी मेहनत के साथ ही परिवार के सहयोग को दिया सफलता का श्रेय

इंदौर (एजेंसी)। द इंस्टीट्यूट का चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इंटर एवं फाइनल मई 2024 की परीक्षा का रिजल्ट गुरुवार, 11 जुलाई को घोषित किया गया। इंदौर ब्रांच के अध्यक्ष सीए. अतिशय खासगीवाला ने सभी उत्तीर्ण छात्रों को बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की साथ ही उन्होंने कहा कि आप लोग जिस भी प्रोफेशन में जाए चाहे जॉब में जाए या प्रैक्टिस में जाए अपने काम मेहनत और ईमानदारी से करें आप लोगों

को सफलता निश्चित मिलेगी।

उन्होंने कहा जिस प्रगति से देश आगे बढ़ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण फैक्टर होता हैं इकोनॉमी को हैंडल करना और इकोनॉमी को हैंडल करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट की सबसे ज्यादा जरूरत पड़ेगी और इसी को देखते हुए हमारा चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रोफेशन में काफी बच्चे भी आ रहे हैं और उसी से रिजल्ट भी काफी अच्छे आ रहे है। इस साल करीबन 20479 चार्टर्ड अकाउंटेंट बने हैं। जब हम बात करते हैं सेकेंड लार्जेस्ट इकोनॉमी या थर्ड लार्जेस्ट इकोनॉमी की तो उसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट का रोल सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंट एक ऐसा कोर्स है जिसमें आप को हर क्षेत्र के बारे में नॉलेज मिलता है आपको लॉ का नॉलेज मिलता है, आपको मैनेजमेंट का नॉलेज मिलता है, आपको फाइनेंस का नॉलेज मिलता है, आपको कास्टिंग का नॉलेज मिलता है।

संपादकीय

गुजारा भत्ता- कोर्ट का सही फैसला

सुप्रीम कोर्ट द्वारा तलाकशुदा मुस्लिम महिला को भी पति से गुजारा भत्ता पाने का हक देने के फैसले पर भी सियासत शुरू हो गई है। जबकि यह निर्णय पूरी तरह उन मुस्लिम महिलाओं के हक में है, जो अपने पति द्वारा मनमाने तरीके से तीन तलाक देने के बाद आर्थिक संकट का सामना करती हैं।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने गुजारा भत्ते के खिलाफ एक मुस्लिम युवक की याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपराध प्रक्रिया भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144 के तहत अपने पति से भरण-पोषण की हकदार है। जस्टिस नागरत्ना ने अपने फैसले में कहा कि 'महिलाओं को भरण-पोषण अर्थात् गुजारा भत्ता दान का मामला नहीं है, बल्कि विवाहित महिलाओं का मौलिक अधिकार है। यह ऐसा अधिकार है, जो भारत में धर्मनिरपेक्ष है और धार्मिक सीमाओं से परे है। यह ऐसा अधिकार है, जो सभी विवाहित महिलाओं के लिए लैंगिक समानता और वित्तीय सुरक्षा के सिद्धांत को और मजबूत करता है।' उन्होंने यह भी कहा कि अब वक्त आ गया है कि भारतीय पुरुष पत्नी के त्याग को पहचानें। गौरतलब है कि इस मामले में तेलंगाना के युवक अब्दुल ने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि उसे तलाकशुदा पत्नी को 20 हजार रुपए महीना गुजारा भत्ता देना होगा। पति ने इस आदेश को तेलंगाना हाई कोर्ट में चुनौती दी। हाई कोर्ट ने गुजारा भत्ता की राशि घटाकर 10 हजार रुपए महीने कर दी। फिर इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। अब्दुल का कहना था कि उसने मुस्लिम कानून के तहत तलाक लिया है और उन पर गुजारा भत्ता का कानून लागू नहीं होता। मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत उसने अपनी पत्नी को जो देना था, उसका भुगतान तलाक के समय कर दिया था। लेकिन कोर्ट ने साफ कहा कि हर धर्म की महिला को समान हक देने का कानून हमारे संविधान में है। इससे किसी को अलग नहीं किया जा सकता। यदि कानूनी रूप से अवैध तीन तलाक भी दिया गया है तो महिला गुजारे भत्ते की हकदार होगी। वैसे भी अभी तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता मिल ही रहा है। यदि पूर्व पति यह राशि देने की स्थिति में न तो उस राशि का भुगतान वक्फ बोर्ड द्वारा किए जाने का प्रावधान है। इस अहम फैसले के बाद मुस्लिम संगठनों में हलचल मच गई है। जमीयत उलेमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने संगठन की बैठक बुलाकर कहा कि कोर्ट के फैसले के अध्ययन के बाद आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी। कट्टरपंथी मुसलमानों का कहना है कि कोर्ट का ये फैसला शरिया कानून में दखल है और मर्दों के साथ नाइंसाफी है। उधर विश्व हिंदू परिषद ने अदालत के फैसले का स्वागत करते हुए इसे मुस्लिम महिलाओं के हित में बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अब कट्टरपंथी मुसलमान केन्द्र सरकार को उस तरह से ब्लैकमेल नहीं कर सकेंगे, जैसा कि उन्होंने शाह बानो केस में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी को किया था। उल्लेखनीय है कि 1985 में शाह बानो केस में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा ही फैसला सुनाया था। लेकिन उस वक्त मुसलमानों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों की वजह से राजीव सरकार ने 'मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स ऑन डाइवोर्स एक्ट 1986' लागू कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कम असर कर दिया था। राजनीतिक पार्टियों ने इस फैसले पर संभल कर प्रतिक्रिया दी है। लेकिन कट्टरपंथी मुस्लिम नेता और मुल्ला मौलवी इस मुद्दे पर सभी मुसलमानों को सरकार के खिलाफ गोलबंद करने की कोशिश में लगे हैं। लेकिन इससे ध्रुवीकरण और तेज होगा।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

मोदी की रूस यात्रा से भारत को मिलेगी गतिशीलता

भारत के लिए यह गौरव की बात है इस देश के प्रधानमंत्री को 300 साल पहले शुरू किये गए रूस के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'द ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से सम्मानित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय नेता हैं जिन्हें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सम्मानित किया है। उन्हें यह पुरस्कार भारत-रूस संबंधों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय योगदान के लिए क्रेमलिन के सेंट एंड्रयू हॉल के एक विशेष समारोह में दिया गया। किसी देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित होना बहुत ही विशिष्ट बात है, वह भी जब भारत के संबंध पूर्ववर्ती सरकारों के साथ बहुत मधुर रहे हों, उन्हें यह पुरस्कार न दिया गया हो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पुरस्कार से सम्मानित हों, तो यह बात काफी मायने रखती है। भारतीय प्रधानमंत्री की ओजश्वी आत्मशक्ति उनके भारतीय जन में विद्यमान है इसलिए रूस की यात्रा में वह भारत में हो रहे बदलाव को भी रेखांकित कर भारतीय कार्यशक्ति को भारतीय मूल के नागरिकों के बीच रखते हैं और, और अधिक विश्वास से भर जाते हैं। उन्होंने कहा भारत कैसे बदल रहा है? भारत बदल रहा है, क्योंकि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों के सामर्थ्य पर भरोसा करता है।

नई सरकार गठन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने अधिकारिक यात्रा पर हैं। भारतीय संबध प्रगाढ़ बनाने की यह एक कोशिश है जो बहुत ही मायने रखती है। नरेंद्र मोदी की बतौर प्रधानमंत्री विदेश तीसरी पारी है और विदेशों में इसलिए सम्मान बढ़ा है। जिन देशों में प्रधानमंत्री जा रहे हैं, वहां के नेतृत्व को भी भरोसा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कह रहे हैं, उसके पीछे उनके देश में उनकी लोकप्रियता है, उनका काम है और उन पर भारतीय जनता का विश्वास है। यह कहा जाये कि भारत की छवि विदेशों में नरेंद्र मोदी ने उत्कृष्ट बनायी है, तो आज यह कोई अतिश्योक्तिपूर्ण बात न होगी।

फिलहाल, इस यात्रा से भारत को जो फायदा होने जा रहा है उसका आकलन तत्काल नहीं किया जा सकता लेकिन आने वाले समय में इसका फायदा नज़र आने वाला है क्योंकि रूस के साथ भारतीय संबंध बहुत पुराने हैं और पुतिन के साथ भी मोदी नेतृत्व वाली सरकार ने मैत्रीपूर्ण संबंध बनाये रखा है। इस मैत्रीपूर्ण संबंध का ही नतीजा है कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बड़े पैमाने पर उद्देश्यपूर्ण समझौते किये हैं और अब रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र और भारत के बीच व्यापार एवं संयुक्त निवेश की परियोजनाओं में और अधिक वृद्धि की संभावनाएं हैं। जलवायु परिवर्तन और निम्न-कार्बन विकास के मुद्दों पर संयुक्त कार्य समूह की स्थापना अब हो सकेगी। कम लागत वाली प्रौद्योगिकियों को विकसित करने हेतु सर्वोत्तम सूचना व सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान होगा। अनुसंधान की दिशा में दोनों देश व्यापक सहयोग के लिए तत्पर हुए हैं। भूगणित-जियोडसी, मानचित्रकला-कार्टोग्राफी और स्थानिक डेटा अवसंरचना में ज्ञान एवं अनुभव का आदान-प्रदान होने जा रहा है। व्यावसायिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण हेतु भी दोनों देश एक साथ कार्य करने के लिए तैयार हुए हैं। वैज्ञानिक एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग होने जा रहा है। संसाधनों एवं डेटा को साझाकर ध्रुवीय वातावरण, ध्रुवीय क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, संयुक्त रूप से बौद्धिक व अनुसंधान साझेदारी, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं में समुचित भागीदारी तो बढ़ेगी ही साथ ही क्षमता निर्माण के जरिए मानव उपयोग हेतु उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। वाणिज्यिक प्रकृति के नागरिक कानून से संबंधित विवादों के निपटारे हो सकें, इस पर सुविधाजनक प्रणाली बनाने हेतु दोनों देश राजी हुए हैं। निवेश संबंधी सहयोग को प्रोत्साहन मिलने जा रहा है साथ ही भारतीय बाजार में रूसी कंपनियों के निवेश को भी मौका अब भारत में मिलेगा। द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए दोनों देश एकमत हैं। व्यापार संवर्धन हेतु व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों की आवाजाही बढ़ेगी।

भारत के लिए यह गौरव की बात है इस देश के प्रधानमंत्री को 300 साल पहले शुरू किये गए रूस के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'द ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल' से सम्मानित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय नेता हैं जिन्हें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सम्मानित किया है। उन्हें यह पुरस्कार भारत-रूस संबंधों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय योगदान के लिए क्रेमलिन के सेंट एंड्रयू हॉल के एक विशेष समारोह में दिया गया। किसी देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित होना बहुत ही विशिष्ट बात है, वह भी जब भारत के संबंध पूर्ववर्ती सरकारों के साथ बहुत मधुर रहे हों, उन्हें यह पुरस्कार न दिया गया हो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पुरस्कार से सम्मानित हों, तो यह बात काफी मायने रखती है। भारतीय प्रधानमंत्री की ओजश्वी आत्मशक्ति उनके भारतीय जन में विद्यमान है इसलिए रूस की यात्रा में वह भारत में हो रहे बदलाव को भी रेखांकित कर भारतीय कार्यशक्ति को भारतीय मूल के नागरिकों के बीच रखते हैं और, और अधिक विश्वास से भर जाते हैं। उन्होंने कहा भारत कैसे बदल रहा है? भारत बदल रहा है, क्योंकि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों के सामर्थ्य पर भरोसा करता है। विश्व भर में फैले हुए भारतीयों का सामर्थ्य पर भरोसा करता है, गर्व करता है। भारत बदल रहा है, क्योंकि 140 करोड़ भारतीय अब विकसित देश बनने का सपना संकल्प लेकर के पूरा करना चाहते हैं। हिन्दुस्तान पूरा मेहनत कर रहा है, हर किसान कर रहा है, हर नौजवान कर रहा है, हर गरीब कर रहा है।

प्रधानमंत्री की सबको साथ लेकर चलने और उनके कार्यों को श्रेय देने की जो कला है वह निःसंदेह पूरे विश्व को अब पता चल गया है। देश चाहे जो भी हो, भारतीय मूल के लोग उन्हें सुनते हैं और उनके स्वर अभिव्यक्त विचारों के साथ संकल्प लेकर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए तत्पर भी हो रहे हैं, यह रूस की आधिकारिक यात्रा में साफ़-साफ दिखा।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया इस यात्रा के दौरान कि दशकों से भारत और रूस के बीच जो अनोखा रिश्ता है, उसका कायल रहा हूं। रूस शब्द सुनते ही हर भारतीय के मन में पहला शब्द आता है। भारत के सुख-दुख का साथी। भारत का भरोसेमंद दोस्त। हमारे रुसी मित्र इसे द्रुजबा कहते हैं, और हम हिंदी में इसे दोस्ती कहते हैं। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस मैत्री को खुद काफी तरजीह दी है और साथ ही रूसी राष्ट्रपति प्रेसीडेंट पुतिन के कार्यों, नेतृत्व व साझदारी की सराहना की है। दो दशक से ज्यादा समय तक भारत के प्रधानमंत्री का दायित्व निभा चुके नरेन्द्र मोदी 10 सालों में मैं छठीं बार रूस की यात्रा के लिए गए हैं और सबसे अहम् बात यह है कि पुतिन और मोदी एक दूसरे से 17 बार मिल चुके हैं। ये सारे मेल-मिलाप न केवल विश्वास को बढ़ाये हैं बल्कि एक दूसरे के भीतर सम्मान को भी बढ़ाये हैं जिसे हम यूं भी देख सकते हैं कि राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से अभिनंदन किया है। विश्वास की एक कड़ी और भी रही है जब भारत यूक्रेन में युद्ध शुरू हुआ और भारतीय छात्र जो रूस या यूक्रेन में फंस गए, संघर्ष के बीच फंसे उन बच्चों को राष्ट्रपति पुतिन वापस भारत पहुंचाने में मदद की। विश्वास इसलिए भी बढ़ा है क्योंकि अब राष्ट्रपति पुतिन और प्रधान मंत्री एक-दूसरे को अच्छे से समझते हैं और वे दोस्त भी हैं।

अब कज़ान और एकातेरिनबर्ग में दो नए भारतीय वाणिज्य दूतावास खोला जा रहा है भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को पोषित करने और रूस के लोगों के साथ इसकी जीवंतता को साझा करने के लिए प्रवासी भारतीय समुदाय को महत्व देने के लिए भारत के प्रधानमंत्री तैयार हैं, तो ऐसे में रूस और भारत के मैत्री संबंध मजबूत होने जा रहे हैं। रूस से मैत्री से दुनिया में जो भी संदेश जाए लेकिन आने वाले समय में जब हमारे चीन के साथ बहुत अच्छे संबंध नहीं रह गए हैं तो रूस के साथ मैत्री बहुत ही महत्वपूर्ण हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत को सुरक्षा परिषद में सदस्यता के लिए यह एक कूटनीतिक संबंध को बढ़ावा देने की कोशिश है जिसे भारत को करना ही पड़ेगा क्योंकि संयुक्त राष्ट्र विस्तार में भारत को रूस सबसे अधिक सहयोगी साबित हो सकता है।

भारत की विदेश नीति की बदलती गतिशीलता को कैसे नए पड़ाव दिए जा सकते हैं, प्रधानमंत्री के रूस यात्रा से यह साफ निकलकर आया है। मॉस्को में रूस और भारत के बीच आयोजित 22वें वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के बाद व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग से संबंधित रूसी-भारतीय अंतर-सरकारी आयोग की स्थापना भी इस कूटनीति का हिस्सा मानी जा रही है। इससे न केवल शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संस्कृति, पर्यटन, खेल, स्वास्थ्य संबंधी देखभाल और अन्य क्षेत्रों में निरंतर विस्तार की संभावना है अपितु ये देश सतत विकास लक्ष्य को हासिल करने में भी सहयोगी साबित हो सकेंगे क्योंकि द्विपक्षीय संबंध केवल एक देश के लिए लाभकारी नहीं साबित होते, वे एक दूसरे के लिए लाभकारी साबित होते हैं। यदि दोनों देश अपनी प्रतिबद्धताओं के साथ आगे बढ़ने के लिए तत्पर हो जाएँ तो इससे भारत की विदेश नीति को मिल रही यह गतिशीलता बल्कि दोनों देशों को गतिशीलता मिलेगी। निःसंदेह एक बड़े उद्देश्य के साथ निर्णायक लक्ष्य हासिल करने की कोशिश है।

मुद्दा

राजीव खंडेलवाल

(लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व बैतूल सुधार न्यास अध्यक्ष हैं)

क्या देश में 'खोजी पत्रकारिता' समाप्त हो गई है ?

'बाबा प्रधान देश' भारत के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश के 'हाथरस' (जो पूर्व में भी, सितम्बर 2020 में गैंगरेप-हत्या के कारण विश्व प्रसिद्ध हो चुका है?), में मानव मंगल मिलन (सत्संग, धार्मिक समागम) के दौरान भगदड़ मचने से 123 व्यक्ति अकाल मृत्यु 'काल के गाल' में समा गये। जिस 'काल' को नियंत्रित करने का दावा संत के वेश में सूरजपाल जाटव ऊर्फ विश्व हरि उर्फ नारायण हरि करता रहा। घटना के बाद से ही संपूर्ण मीडिया चाहे प्रिंट, इलेक्ट्रानिक या सोशल मीडिया हो, बढ़-चढ़कर इस बहुरूपिये बाबा की कुंडली को खोलकर चिल्ला-चिल्ला कर हम जनता को बता रहे हैं, पढ़ा रहे हैं। धूर्त बाबा का इतिहास क्या था? जो एक छेड़खानी के आरोप में बर्खास्त सजायाफ्ता हवलदार नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा था। यद्यपि अदालत के आदेश से वह पुनः नौकरी में बहाल भी हो गया था। जेल से छूटने के बाद उसने वीआरएस लेकर 'भोले बाबा' बनकर लोगों को ठगने, पाखंड और यौन शोषण के कार्यक्रम में 'सत्संग' के साथ लग गया। साधु संत तो वह होता है जो ''करे तो डरे, न करे तो भी खुदा के कहर से डरे''। लेकिन ये बाबा तो कर के भी नहीं डरते। कोई दान दक्षिणा चढ़ना इत्यादि न लेने का दावा करने वाले बाबा के देश में अनेक बड़े-बड़े आश्रम है तथापि राजस्व रिकॉर्ड पर उनके स्वामित्व के बाबत सुनिश्चित जानकारी नहीं है। यद्यपि बाबा इंटरनेट पर लोकप्रिय नहीं है तथापि जमीनी स्तर पर उनके भक्तों की संख्या लाखों में है।

धूर्त, प्रपंच गिरी व यौन शोषण का आदी सूरजपाल एक दिन में ही अपराधी, व्यभिचारी, जादू-टोटका, भूत भगाने वाले, ढोंगी बाबा नहीं बन गया? परन्तु धन्य है हमारे देश का मीडिया, जिसे उक्त घटना घटित होने तक पता ही नहीं चला कि संन्यासी के वेश में बाबा एक अपराधी है। ऐसे ही बाबाओं के कारण हिन्दू समाज बदनाम होता रहा है। हिन्दू समाज जो हर ''कमली वाले को फकीर'' समझ लेता है और जहां ऐसे सजायाफ्ता साधु-संतो के अंधभक्तों की संख्या में और उनके साम्राज्य में कोई खास कमी हुई हो, ऐसा जान नहीं पड़ता है, न ही महसूस होता है।

आखिर ऐसे बाबाओं को प्रोत्साहन कैसे मिलता है? किससे मिलता है? जिस कारण से बाबागिरी या सत्संग एक बड़ा ''उद्योग'' हो गया है। इसका एक बड़ा कारण राजनीति और बाबाओं के बीच बड़ा अटूट अतरंग संबंध चला आ रहा है। हर ऐसे बाबाओं के साथ देश के प्रमुख राजनेताओं के चाहे किसी झंडे के तले हो, अंतर-मुखी परिचय की फोटों, सिर नवाये, आशीर्वाद देते हुए मिल जायेगी। इसका एक मात्र कारण यह है कि नेताओं के प्रभाव व आकर्षण से बाबाओं को भी अपना साम्राज्य गरीब अनपढ़ जनता के बीच बढ़ाने का अवसर मिल जाता है। वहीं दूसरी ओर बाबाओं के अंधभक्तों की लम्बी चौड़ी फौज के कारण उनके वोट मिलने की उम्मीद में नेताओं की लाईन दर्शन, आशीर्वाद के लिए लगी रहती है। इस प्रकार नेता और बाबा दोनों परस्पर सहजीविता (सिम्बायोसिस) के सिद्धांत के माध्यम से अपनी अपनी दुकान चलाते रहते हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण गुरमीत सिंह उर्फ राम रहीम का है, जहां राज्य सरकार से भारतीय दंड संहिता के सबसे कठोरतम अपराध में सजा भुगत रहे बाबा को बार-बार चुनाव के समय पैरोल, 'फरलो' मिलती रही है। बाबा व नेता एक दूसरे के लिए कितने 'पूरक' होते है, यह इस घटना से भी सिध्द होता हैं। जहॉ किसी भी पार्टी के किसी भी राष्ट्रीय और महत्वपूर्ण नेता ने सामने आकर बाबा की गिरफतारी की मांग स्पष्ट रूप से अभी तक नहीं की हैं, सिर्फ मायावती को छोड़कर। इसका भी कारण स्पष्ट है। दलित वोट बैंक में बाबा की घुसपैठ होने के कारण मायावती नहीं चाहती है कि उनके दलित बैंक में गांव किसी भी नेता या धार्मिक बाबा की दखलंदाजी जी हो। किसान नेता राकेश टिकैत ने तो बाबा की टीम को क्लीन चिट देते हुए घटना को मात्र 'हादसा' बता दिया। एसआईटी को यह नहीं दिखा कि बाबा के चरणों की धूल लोगों के जीवन की राख में परिवर्तित हो गई। हादसा का प्रारंभ तभी हुआ जब लोग बाबा के चरणों की धूल पाने आव्हान पर दौड़ पड़े। हादसा होने पर घटना की उच्च स्तरीय जांच, मजिस्ट्रेट जांच, एसआईटी जांच, न्यायिक जांच की घोषणा कर दी जाती है। कहा जाता है कि घटना के पीछे जो भी षड्यंत्रकारी है, उन्हें हर हालत में सामने लाया जाएगा। जवाबदेही तय की जावेगी। जांच प्रक्रिया चालू है। कानून अपना काम कर रहा है। मामला बेहद संवेदनशील है। राजनीति मत करो! यह समय राजनीति का नहीं है, बल्कि पीड़िता, भुक्तभोगियों के साथ खड़े होने का है। 'मरहम' के रूप में ''मुआवजा'' की भी घोषणा की जाती है, जो भुक्तभोगियों की आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए नहीं बल्कि राजनीतिक नफा-नुकसान की दृष्टि से की जाती है? नौकरी देने की घोषणा कर दी जाती है।

प्रस्तुत प्रकरण में ही दूसरों को राजनीति न करने की सलाह देने वाले स्वयं राजनीति कर रहे हैं। मुख्य सेवादार व आयोजक देव प्रकाश मधुकर को मुख्य अभियुक्त बिना जांच के 'प्राथमिकी' में बना दिया जाता है। परंतु उसी आधार पर जिस ''गुरु'' का सेवादार सेवक है, वो प्रमुख बाबा को प्रमुख अभियुक्त इसलिए अभी तक नहीं बनाया गया कि कबूतर रूपी बाबा हमेशा राजनीति के कुएं को बसेरा बनाते हैं''। बस ''जांच चल रही है''। जांच में तथ्य पाये जाने पर तदनुसार कार्रवाई की जाएगी? बाबा अपराधी नहीं है, तो वह घटनाओं के तुरंत बाद ''गायब'' क्यों हो गया है। इस मामले में एसडीएम सहित 6 सरकारी मुलाजिम निलंबित किए गए हैं। घटना के जिम्मेदार ''भोले बाबा'' वास्तव मे उतने भोले नहीं है, मीडिया को छोड़कर समस्त तंत्र राजनैतिक और पुलिस तंत्र सहित जितना उसे भोले व भले बाबा बनाने व बतलाने का भरकम सफल प्रयास कर रहा है। उसका वकील उसे सोची समझी साजिश बता रहे हैं। तारीफ की बात तो यह है कि बिना कोई साक्ष्य तथा तथ्य पाए एसआईटी भी अपनी रिपोर्ट में इस संभावनाओं को नकार नहीं रही है। आरोपी बनाना तो दूर अभी तक सूरजपाल से किसी भी जांच एजेंसी ने पूछताछ करना तो दूर बातचीत करना भी मुनासिब नहीं समझा है? कारण स्पष्ट है! दलित जाटव जाति से बाबा का होना राजनीतिक दलों के लिए एक वोट बैंक है! एक तथ्य यह भी है कि वर्तमान में बाबा के खिलाफ 5 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। परंतु कारवाई शायद ठन-ठन गोपाल?

80 हजार लोगों की अनुमति के साथ 2.5 लाख से अधिक जनता का सत्संग में आने की कोई पूर्व सूचना इनपुट आई. बी., एल. आई. यू (स्थानीय अधिसूचना इकाई) व अन्य जांच एजेंसीज को न होना, क्या पुलिस प्रशासन का बुरी तरह से असफल होना नहीं है? देश की ''कूपमंडूकता'' का यह घटना एक वीभत्स उदाहरण है। आज भी बाबा के निवास के घर की चौखट पर अंधभक्त लोग इतनी बड़ी ''वारदात'', जिसे पुलिस प्रशासन ने हादसा करार कर दिया है, होने के बावजूद मत्था टेकने जा रहे हैं।

कटाक्ष

प्रीतम लखवाल

कान तो अपने हैं और सलामत भी

देश में इस समय भयंकर चिंता, चिंतन और मंथन के साथ मनन का माहौल है। इस 'भयंकर' कार्य में पक्षी परेशान हैं तो वि-पक्षी भी। मैं इस पर बाद में आऊंगा, लेकिन इससे पहले एक और चिंतनीय खबर पक्षी विज्ञानियों ने बहुत पहले सुना दी थी कि देश से कौवे विलुप्त हो रहे हैं। इसकी पुष्टि के लिए लोगों ने एक नया तरीका ईजाद किया हुआ है, लेकिन उसके लिए कम से कम बारिश के मौसम को खत्म होने का इंतजार करना पड़ता है। वह भी गणेशोत्सव के बाद यानी श्राद्ध पक्ष का। वास्तव में श्रद्धा पक्ष में बहुत मनाने पर भी कौवे छतों पर नहीं आते। उनका भाग यूं ही धूप में सूख जाता है और...। नगरों और महानगरों में तो अब कांव-कांव सुनाई ही नहीं देती। एक अदद सवाल उठता रहता है कि आखिर कौवे गए कहां? उनका शहरों, नगरों और महानगरों से बैर क्या है? इस पर पक्षी विज्ञानी भी चुप हैं। वे चुप क्यों हैं, क्योंकि उन्हें ही नहीं पता कि बड़ी तादात में उड़ने वाले, छत पर बैठकर किसी मेहमान के आने की सूचना देने वाले, अपनी कर्कश आवाज में अपने किसी साथी के गुजर(मर) जाने के बाद पूरा आसमान सिर पर उठाकर पूरे समाज को इक्कठा करने वाले कौवे इतने बेरहम क्यों हो गए कि अब बुलाने पर भी नहीं आते। नहीं तो पहले तो उन्हें भगा-भगा के हलकान हुए जाते थे। घर के एक बुजुर्ग(जिसका टाइम पास नहीं होता था)की स्पेशल ड्यूटी इस कागा भगाओ अभियान में लगा दी जाती थी और वह विश्वास की लाठी लिए आंगन या छत पर बैठा रहता था।

हालांकि गांव अभी भी खुश किस्मत हैं कि कुछ कौवे वहां अपनी कांव-कांव करते रहते हैं। गांवों में पेड़ों की विरासत संरक्षित है शायद, इसलिए वहां कांव-कांव है। अभी-अभी एक महान संत ने बहुत ही उम्दा प्रसंग सुनाया- 'लोग कहते हैं कि कौवा कान ले गया और सब कौवे के पीछे भागने लगते हैं, लेकिन कोई कान नहीं देखता कि वह अपनी जगह है या नहीं।' आजकल राजनीति में भी यही हो रहा है। कोई कहता कुछ है और लोग कह देते हैं कि कौवा कान ले गया। बस लोग उसी झूठे कौवे के पीछे भागने में गोल्ड मैडल जीतना चाहते हैं। अब सवाल यह था कि विलुप्त होकर कौवे गए कहां? तो उस भविष्यदृष्टा संत ने धीरे से मेरे कंधे पर थपकी देकर कहा कि वे सब अपना नश्वर शरीर छोड़ स्थूल रूप में राजनीति में आ गए। इनमें से अधिकांश को पक्षी(सत्ताधारी) ने मोहपाश में बांध रखा है तो कुछ विपक्षी गुट या दल में चले गए। बस यहीं इनकी फजीहत हो रही है। वो छत की कांव-कांव अब उसी छत पर लगी एल्युमिनियम की छतरी से होती हुई सेटअप बॉक्स में घुस रही है और पक्षी दल चिल्ला रहा है कि कौवा कान ले गया। विपक्षी कह रहे हैं कि तुम्हारे कान तो सलामत हैं तो फिर सुनते क्यों नहीं।

इस गंभीर मुद्दे पर कैलाश पर्वत पर बैठे काकभुसुंडि जी का आह्वान किया गया कि बताओ विलुप्त होते कौवे भी कहीं कान ले जा सकते हैं। वे मुस्कुरा उठे और 'हरि हाथ से माखन रोटी ले जाने के दृश्य के फ्लैश बैक में चले गए।' इधर, लोग अभी भी कौवे के पीछे भाग रहे हैं और कान अपनी जगह सलामत हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

पूरन सरमा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

गुणीजनों का गुण है चापलूसी

चमचागिरी का गुण आज की आवश्यकता बन गया है। मैं खुद इस गुण को मुफीद मानता हूँ, लेकिन पता नहीं क्यों अभी तक चमचा बन नहीं पा रहा हूँ। दफ्तर में पूरा काम समय पर करने के बावजूद मुझे अफसर व्हाइट एलीफेंट मानता है। जबकि सच यह है कि सफेद हाथी वह स्वयं है। सारे दिन स्टेनो से बतियाना और उसके साथ कॉफी-चाय पीने के अलावा वह करता ही क्या है? हमेशा गोपनीय रिपोर्ट खराब जाने से मेरे प्रमोशंस भी ठण्ड में लगा दिये गये हैं। जबकि जो काम के अलावा और सब कुछ करते हैं, उनके धड़ाधड़ प्रमोशन हो रहे हैं। हालांकि वह भली प्रकार से जानता है कि मैं काम का आदमी हूं इसीलिए तो वह मेरा ट्रांसफर नहीं करवाता। परन्तु मेरी आदत चमचागिरी की नहीं होने के कारण मैं निरंतर पिछड़ रहा हूँ। दरअसल वो चापलूसों और चापलूसी को पसंद करता है। वो हमेशा सर आप कितने काइंड नेचर के हैं, आप सबका ध्यान रखते हैं, आपके बच्चे की फीस जमा करा आऊं, आप कहें तो घर सब्जी-फल रख आऊं, सर आपका जैसा इंसान आजे के जमाने में मिलना कठिन है, सर आपने कभी किसी का बुरा नहीं किया जैसे जुमले रात-दिन सुनना चाहता है। मुफीद मानने के बावजूद भी मैं चमचागिरी को नहीं अपना सका, इसको मुझे खेद तो है लेकिन खुद्दारी के अपने मजे हैं, जिसके मद में चूर मैं अपने आपको सबसे अलग कर लेता हूँ।

मोहल्ले की विकास समिति के अध्यक्ष कई बार मुझसे कह चुके कि मैं उनसे मिला करूं। एक बार तो उन्होंने साफतौर मुझसे कहा भी कि यार पता नहीं तुम किसी मिट्टी के बने हो। अपने आपको अफ्लातून समझते हो। इसका प्रचार उन्होंने पूरे मोहल्ले में कर दिया है, जिससे मैं वहां भी अलोकप्रिय हो गया हूँ। मोहल्ले वाले मुझे घमण्ड़ी कहते हैं। जबकि मैं न किसी को अदाता हूँ, न सताता हूँ लेकिन मेरी जान के दुश्मन बन गये हैं लोग। चमचागिरी में एक तरह अपने आपको गिराना होता है, जो मैं नहीं कर पाता हूॅ। पत्नी भी मेरे स्वभाव को लेकर कहती रहती है कि मोहल्ले में बनाकर रखो। सभी से मिलो-जुलो, हमारे काम कैसे होंगे। मेरी पत्नी से मोहल्ले की औरतें कहती रहती हैं कि आपके 'वो' तो अलग ही हैं, पता नहीं आपकी (पत्नी की) उनसे कैसे पटती होगी।

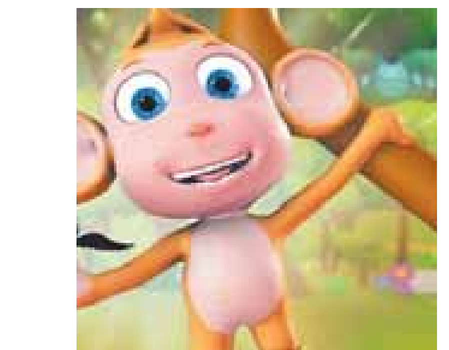

थोड़ा लिखने-पढ़ने का शौक है तो लेखक भी खिंचे-खिंचे रहते हैं। वे एक-दूसरे से मेरे गर्वोन्मत्त होने की बात करते हैं। किसी सभा-संगोष्ठी, लोकार्पण, सम्मान समारोह में न जाने से अब लोगों ने आमंत्रण देना ही बंद कर दिया है। राज्य अकादमी मुझसे जूनियर्स का सम्मान इसी चापलूसी निपुणता गुण के कारण कर चुकी है, लेकिन मेरा हमेशा अपमान ही होता है। सम्पादकों में भी मैं आलोकप्रिय हूँ। उनका कहना है कि न मिलना न जुलना, फिर रचनाओं का प्रकाशन किस आधार पर करें। सच कहूं तो चमचागिरी के गुण अभाव के कारण मेरा हर क्षेत्र में नुकसान हो रहा है, लेकिन मैं कोशिशों के बावजूद भी अपना मूल स्वभाव नहीं बदल पा रहा हूँ। इसके अभाव में यों कहा जा सकता है कि मैं असामाजिक प्राणि होकर रह गया हूँ। मुझे कोई घास नहीं डालता, लेकिन मैंने पता नहीं कौनसे जीवन जीवन मूल्यों को चुन लिया है, जिससे नुकसान ही नुकसान हो रहा है। मेरे घर कोई आता नहीं और मैं किसी के घर जाता नहीं, अब आप ही बताइये इससे गुजारा होगा कैसे? काश, मैं भी चापलूस बन पाता, कई बार सोचता हूँ। आज के युग में बिना चमचागिरी के कहीं दाल नहीं गलती। इसलिए ज्यादातर लोगों ने अपने तमाम स्वार्थ पूरे करने का साधन बना लिया है। चापलूसी की माया अद्भुत और अपरम्पार है। इसलिए इसे तत्काल अपनाइये और अपना जीवन सुखी बनाइये। गुणीजनों का गुण है चापलूसी आजकल।

मुद्दा
डॉ. ज्योति सिडाना

जेंडर गैप की चुनौती और खतरे

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 में समता को और लैंगिक आधार पर भेदभाव न किए जाने को अनिवार्य बताया गया है। इसलिए भारतीय संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार और नीति निर्देशक तत्वों में महिला सुरक्षा, सम्मान, विकास व भेदभाव से बचाव के प्रावधान सम्मिलित किए गए हैं। संविधान महिलाओं को न सिर्फ समानता का अधिकार देता है, बल्कि सभी राज्यों को महिलाओं के पक्ष में सकारात्मक प्रावधान करने का भी निर्देश देता है। संविधान लागू होने के इतने वर्षों बाद भी जब जेंडर गैप रिपोर्ट जारी होती है तो कुछ और ही सच्चाई सामने आती है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम द्वारा हाल ही में जारी ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2024 में भारत 146 देशों की सूची में 129वें स्थान पर आ गया है जबकि पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था। सोचने का विषय है कि आखिर ऐसे कौन से मुद्दे हैं जो यह गैप घटने के बजाय बढता जा रहा है।

शुरूआती दौर में लेखिका मेरी वोल्स्टनक्राफ्ट ने सामाजिक ढाँचे की आलोचना करते हुए कहा था कि स्त्रियों को शिक्षा से वंचित रखा गया, वे सार्वजनिक जीवन में भी अनुपस्थित रहती हैं, अतः स्त्रियों को तार्किक मनुष्य मानते हुए स्त्री-पुरुष में बुनियादी समानता स्थापित करने के प्रयास करने चाहिये। वहीं जॉन स्टूअर्ट मिल भी स्त्री अधिकारों का समर्थन करते हुए कहते हैं कि स्त्री-पुरुष का संबंध आधिपत्य के बजाय सहयोग पर आधारित होना चाहिये। उन्होंने स्त्रियों की शिक्षा, नागरिकता तथा संपत्ति में समान अधिकार का भी समर्थन किया। इसमें कोई दो राय नहीं है कि समाज की आधी आबादी होने के बावजूद महिलाएँ हमेशा से मूलभूत अधिकारों से वंचित रही हैं। 21वीं सदी में महिलाओं की स्थिति में अनेक बदलाव हुए हैं जिन्हें नकारा नहीं जा सकता जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सेना, सार्वजानिक क्षेत्र, विभिन्न प्रकार के रोजगार अवसर इत्यादि में महिलाओं की सहभागिता हुई है। लेकिन यह भी तथ्य है कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की संख्या में भी दुगनी-तिगुनी वृद्धि हुई है। क्या यह कहा जा सकता है कि महिलाओं की प्रगति और उनके विरुद्ध होने वाले अपराधों की दर में कोई सकारात्मक सहसंबंध है? क्योंकि महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति बढती जागरूकता, निर्णय लेने की स्वतंत्रता, आर्थिक स्वायत्ता, संपत्ति में समान अधिकार, ऐसे पक्ष हैं जिन्होंने पितृसत्तात्मक समाज के सामने चुनौती को उत्पन्न किया है। लेखिका जसिंता केरकेट्टा ने अपने कविता संग्रह में लिखा कि अ से अनार लिखा उन्होंने कहा आह कितना सुंदर, आ से आम लिखा उन्होंने आम के गुण गाए लेकिन जब अ से अधिकार लिखा तो वे भड़क गए। उनकी इन पंक्तियों से स्पष्ट होता है कि जब तक महिलाएं दमन और आधिपत्य को स्वीकार करती हैं तब तक वे सभ्य और संस्कारी मानी जाती हैं और जैसे ही वे अपने अधिकार या अपने विरुद्ध होने वाले दुर्व्यवहार के लिए आवाज उठाती है उन्हें चरित्रहीन घोषित कर दिया जाता है।

विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट के अनुसार भारत उन देशों में शामिल है जहां आर्थिक लैंगिक समानता सबसे कम है। अर्थात् यहाँ अनुमानित अर्जित आय में 30त्र से कम लैंगिक समानता दर्ज की गई है। पिछले वर्ष के 127वें स्थान से 129वें स्थान पर गिरावट का कारण शैक्षिक उपलब्धि और राजनीतिक सशक्तिकरण में आयी कमी को माना गया है। भारत महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण के मामले में 65वें स्थान पर है और श्रम-बल भागीदारी दर पर 134वें और समान काम के लिए समान वेतन पर 120वें स्थान पर है जो पुरुषों और महिलाओं के बीच आर्थिक असमानताओं को दर्शाता है। अगर इसी गति से समानता की और बढ़ते रहे तो पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लगभग 134 साल और लगेंगे, जो कि समग्र विकास की राह में बड़ी बाधा बन सकता है।

देखा जाए तो त्रेता और द्वापर युग में भी कल युग जैसे अनेक उदाहरण मिलते हैं द्रोपदी को भी उनके अपने ही परिजनों ने लज्जित किया था और सीता को भी अपनों के द्वारा ही घर त्यागने का दंश झेलना पड़ा था। जब राम को वनवास जाने का आदेश मिला तो सीता ने उनके साथ जाना चुना और जब सीता को देश निकाला दिया गया तो राम उनके साथ क्यों नहीं गए। सावित्री आपने पति सत्यवान को बचाने के लिए यमराज के पीछे-पीछे चल दी लेकिन ऐसा कोई उदाहरण इतिहास में भी नहीं मिलता जिसमे पुरुषों ने महिलाओं के लिए कोई त्याग किया हो। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि लैंगिक असमानता तो सृष्टि के प्रारम्भ से चली आ रही है। हाँ, इतना जरुर है कि पहले महिला अपने अधिकार नहीं जानती थी और न ही उनके विरुद्ध आवाज उठाती थी लेकिन आज की शिक्षित और आत्म निर्भर महिला ऐसा करने लगी हैं। कुछ वर्ष पूर्व हुआ मी-टू आन्दोलन इस बात का एक महत्वपूर्ण साक्ष्य है।

समाज की अनेक घटनाएं पुरुष सत्तात्मक समाज के विरोधभासी चरित्र को उजागर करती हैं जैसे विवाह के लिए जीवन साथी का चयन करते समय तो धर्म और जाति को बहुत महत्त्व दिया जाता है, उसी तरह किसके हाथ का बना खाना खाना है और किसके हाथ का नहीं, यह भी ध्यान रखा जाता है लेकिन महिला के साथ दुर्व्यवहार या शारीरिक शोषण करते समय इनमे से किसी भी बात का कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो किस धर्म या जाति की है, या किस आयु की है (3 माह की बच्ची है या 80 वर्ष की बुजुर्ग), विवाहित है या अविवाहित, ऐसा क्यों। महिलाओं के साथ हिंसा या शोषण के मामलों में पवित्रता-अपवित्रता के मूल्य हाशिए पर क्यों चले जाते हैं। यदि समाज में परिवर्तन की दर यही रही तो रिपोर्ट में सामने आए आंकड़ों के अनुसार महिला और पुरुषों में समानता लाने के लिए अभी 134 साल और लगेंगे। पहले ही बहुत देर हो चुकी है इस लैंगिक असमानता के कारण समाज अनेक जोखिमों से घिरा हुआ है अब और देर करने कई गुंजाइश नहीं बची है।

स्वामी विवेकानंद उन शास्त्रों की आलोचना करते हैं जो स्त्रियों को ज्ञान प्राप्ति की अधिकारिणी नहीं मानते। उनका मानना था कि देश की सम्पन्नता इस बात पर निर्भर करती है कि स्त्री-पुरुष के साथ समानता का व्यवहार किया जाए। स्त्री भी उतनी ही साहसी होती है जितना कि पुरुष। इसलिए वे मानते थे कि नारी को भी योग्य, सक्षम और कामकाजी बनाना आवश्यक है क्योंकि देश के आर्थिक विकास में दोनों के उत्तरदायित्व समान है। यह कहा जा सकता है कि महिलाओं को राजनीतिक अधिकार दिए बिना सामाजिक व्यवस्था में सुधार संभव नहीं हो सकता और सामाजिक व्यवस्था में बदलाव हुए बिना उनका आर्थिक सशक्तीकरण सही अर्थों में आकार नहीं ले सकता। और इन सबको वास्तविकता के धरातल पर उतारने के लिए गाँधी जी के सुझाव पर अमल करना जरुरी है कि समाज का सकारात्मक परिवर्तन व्यक्ति के हृदय परिवर्तन से ही संभव है।

दृष्टिकोण
बादल सरोज
लेखक लोकजतन के संपादक हैं।

दूसरों की रोशनी चुराकर चमकते दिखने की चाहतें

अभी तक देशों के अपने राष्ट्रीय पशु, पक्षी, पेड़, पर्वत, झंडे और दीगर प्रतीक चिन्ह होने के रिवाज प्रचलन में हुआ करते थे। मोदी राज में इनमे खूब इजाफे हुए हैं ; कई कई नयी चीजें जुड़ी हैं। इन्ही में से एक है राष्ट्रीय विवाह, जो मार्च से शुरू हुआ है और अभी तक है कि चल ही रहा है। इसकी बेसुरी धमाधम शुरू हो चुकी है और गूँज-अनुगूंज उत्तरोत्तर तेज से तेजतर होने वाली है। कोई भ्रम न रह जाए इसलिए अम्बानी की अपनी सरकारों ने इसे बाकायदा सूचना निकाल कर एक सार्वजनिक (पढ़ें राष्ट्रीय) आयोजन का दर्जा दे दिया है।

देश की वाणिज्यिक राजधानी मानी जाने वाली मुम्बई में 12 जुलाई से 14 जुलाई तक घोषित रूप से दफ्तर, बाजार यहाँ तक कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) बंद रहेगा। शादी के लिए तैयार महल और उसमे आये मेहमानों के ठहरने की जगहों की कई किलोमीटरों की परिधि में आने वाली सड़कें भी इंडिया दैट इज भारत के नागरिकों के लिए बंद कर दी गयी हैं। इसमें खर्चा कितना होगा इसका अंदाजा भी लगाना सामान्य इस्तेमाल में लाये जाने वाले कैलकुलेटर्स को जाम कर सकता है ; एक मोटा अनुमान इस शादी के पहले हुए दो शादी पूर्व आयोजनों- प्री वेडिंग सेरेमनी - को देखकर लगाने की कोशिश की जा सकती है। जामनगर के जंगल में मंगल की तरह मार्च महीने के तीन दिनी समारोह में 1259 करोड़ रूपये खर्च हुए थे। 29 मई से 1 जून तक हुयी दूसरी प्री-वेडिंग 7500 करोड़ रुपयों के पांच तारा आलीशान पानी के जहाज 'क्रूज' पर 4380 किलोमीटर तक समन्दर पर चली ; इटली से जेनेवा, रोम से फ्रांस कहीं लंच कहीं डिनर कहीं ब्रेकफास्ट करते हुए यह कान्स तक पहुंची। इसमें शामिल हुए दुनिया भर से बुलाये गए कोई 800 मेहमान इस ऐश्वर्य के पर्याय जल-महल के जिन कमरों- रईस कमरों में नहीं रहते, वे उन्हें सुइट कहते हैं - उन एक एक का किराया ही दसियों लाख रुपयों में था। इसमें जामनगर से दो गुने से भी कहीं ज्यादा के खर्च की खबर है। मगर ऐसा लगता है जैसे अम्बानी ने वैभव की अश्लीलता की अब तक की सारी हदें लांघने और मनुष्यता को लजाने वाली फिजूलखर्ची के दिखावे की हवस को बढाते जाने की ठान ली है। मुम्बई में होने जा रही इस शादी में, जिसे अम्बानी की सरकारों ने लगभग राष्ट्रीय समारोह का दर्जा दे दिया है, इसी मनोरोग के तीसरे आयाम की फूहड़ता दिखाई जारही है। इस शादी में बुलावे के लिए भेजा गया निमंत्रण कार्ड ही प्रति कार्ड 7 लाख रूपये का है।

इस बारे में ज्यादा विस्तार से शादी के ट्रेलर - टीजर के पहले मार्च में 'जामनगर में वैभव की अश्लीलता और सेठ जी के चिड़ियाघर में बदलता भारत' शीर्षक से लिखा जा चुका है ; इन 4 महीनों अंतर सिर्फ यही आया है कि अब भारत सचमुच में सेठ जी के चिड़ियाघर में बदल चुका है। जिस देश में खुद उसके प्रधानमंत्री के दावे के हिसाब से 80-85 करोड़ लोग सरकार के 5 किलो राशन और हजार डेढ़ हजार रुपयों की बाट जोहते इतने हताश हो गए हैं कि किसी भी चिरकुट बाबा के यहाँ बीसियों हजार की भीड़ बनाकर भगदड़ में मौत के मुंह में जाने की जोखिम उठा रहे हैं। वास्तविक जीवन में कोई उम्मीद न देख काल्पनिक समाधान हासिल करने के लिए अंधविश्वासों की गहरी खाई में छलांग मारने को भी तत्पर हुए जा रहे हैं। ऐसे देश में इतनी विपुल मात्रा में धन का पानी की तरह बहाया जाना किसी भी सभ्य समाज के लिए क्षोभ और लज्जा का विषय है, एक राष्ट्रीय अपराध है। ऐसा करने की हिम्मत कहाँ से आती है ? उस नाकाबिल और जरपरस्त राजनीति से आती है जिसकी हैसियत 2014 में तब नए नए चुने गए प्रधानमंत्री की पीठ पर हाथ रखकर मोटा भाई दुनिया भर को दिखा चुके हैं। जिन्हें अपने उत्पाद बेचने का मॉडल बनाकर विज्ञापनों में छपवा चुके हैं। उस मीडिया से आती है जो इस बेहूदगी का लाइव प्रसारण करते और सेठ जी का महिमा गान करते हुए रीढ़विहीन होकर तलछट में रेंग रहा है और इसे राष्ट्रीय गौरव बता रहा है। उस विचार समूह से आती है जिसकी मांद से निकले शाखा श्रृगाल सेठ जी के इस शादी काण्ड में शामिल सारे अतिथियों के भारतीय (?) पोशाक पहनने को सनातन का दुनिया भर में प्रचार करने का कारनामा बताते हुए ट्विटर और इंस्टाग्राम पर कोहराम मचाये हुए हैं।

यही है संघ जिन्हें अपना गुरु मानता है उन गोलवलकर के आर्थिक सूत्र 'हाथी को मन भर चींटी को कण भर' के सूत्र को जनता के गले उतारने का जतन! सनद रहे कि सेठ यह सारा तामझाम अपनी जेब से नहीं कर रहा है - उसने इसकी वसूली के लिए अपने जिओ के दाम झटाक से बढ़ा दिए हैं। सेठ जी हमारी आपकी जेब से रोशनी चुराकर अपनी चमकार का मेला लगाए बैठे हैं।

अपराध
राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

क्रूरता की पराकाष्ठा- कारणों पर भी विचार जरूरी

समाचार पत्रों की सुर्खियों के बीच एक ऐसी खबर आई जिसे पढ़कर दिल दहल गया। मामला यह है कि चंदेरी में एक पिता ने अपने चार-पांच वर्षीय बच्चों को उल्टा लटका कर उनकी जमकर पिटाई की। कारण महज इतना था कि ऐसी पिटाई का बाकायदा वीडियो बनाकर मायके रह रही पत्नी को प्रताड़ित किया जा सके। हालांकि पत्नी की शिकायत पर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई होगी, लेकिन यह घटना अपने आप में बहुत कुछ कहती है। मानव मन में स्वाभाविक रूप से रहने वाली संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों के विलोपन की ओर इंगित करती यह घटना, काफी हद तक आदमी के वैचारिक दृष्टिकोण में आते जा रहे परिवर्तन को रेखांकित करती है।

दरअसल वर्तमान आपाधापी के दौर में आदमी केवल और केवल अपने लिए ही सोचने लगा है। कल तक संयुक्त परिवार हुआ करते थे। उसमें दो से तीन पीढ़ी के परिजन भी साथ-साथ रहा करते थे। एक प्रकार से परिवार में बच्चों का नटखटपन, युवाओं का जोश और बुजुर्गों का अनुभव साथ-साथ चला करता था। लेकिन जब से विभिन्न परिस्थितियों के चलते एकल परिवारों का चलन बढ़ने लगा, वैसे-वैसे एकल परिवार में वैचारिक मतभेद के चलते तनाव की स्थितियां निर्मित होने लगी। हालांकि पति-पत्नी या पिता-पुत्र के बीच की तकरार को संयुक्त परिवार के वरिष्ठजन थाम लिया करते थे। लेकिन एकल परिवार में जब दोनों ही पक्ष परस्पर टकराव की स्थिति में आ जाए, तो उन्हें कौन समझाएं कि कौन सही और कौन गलत ?

ऐसे में बच्चों का स्वाभाविक विकास अवरुद्ध होकर उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है। इसकी परिणति यह होती है कि पति-पत्नी अलग रहने लगते है और बच्चे माता तथा पिता के संयुक्त साये से छिटककर रह जाते हैं। ऐसे में कभी बच्चों को मां का आंचल नहीं मिल पाता, तो कभी पिता रूपी कवच का साथ नहीं मिल पाता। यही नहीं अपितु बच्चों के बालमन में परिवार के प्रति किसी प्रकार की आसक्ति का भाव भी पनप नहीं पाता। नतीजा यह निकलता है कि एकल परिवार का हर सदस्य केवल और केवल अपने बारे में सोचने लगता है।

चंदेरी की घटना निश्चित रूप से ऐसी ही परिस्थितियों की उपज रही होगी। अन्यथा कोई कारण नहीं कि कोई पिता अपने बच्चों के प्रति इतना क्रूर हो जाए।

उक्त घटना के बहाने ही सही, लेकिन आज के दौर में संयुक्त परिवारों के महत्व को समझने की नितांत आवश्यकता है। अन्यथा एकल परिवार में कब किसी का अहम उसके विवेक पर भारी पड़ जाए, इस बारे में पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। सहसा इस बात पर विश्वास नहीं होता कि कोई पति अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने के निमित्त बच्चों को उल्टा लटका कर उनकी जमकर पिटाई करें। सचमुच यह घटना मात्र पारिवारिक अंतर्कलह की ही कहानी नहीं है, लेकिन इंसानी फितरत में केवल और केवल अपने ही बारे में सोचने का प्रत्यक्ष प्रमाण है। वास्तव में भौतिकता की चकाचौंध में आदमी इस कदर खोने लगा है कि अपनी जिंदगी को केवल अपनी ही जिंदगी के प्रति समर्पित रखने का बीड़ा उठाए हुए हैं।

यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में संयुक्त परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रहा करती है। एकल परिवार होने की दशा में आमतौर पर अनुशासन, मर्यादा और नैतिकता को ताक पर रखे जाने का अंदेशा हर समय बना रहता है। किसी भी प्रकार की उच-नीच हो जाने की स्थिति में भावावेश में आकर एकतरफा विचारों को मूर्त रूप दे दिया जाता है। चाहे वह विचार कितना ही अव्यावहारिक क्यों न हो! जाहिर है कि इसका सीधा असर बच्चों पर हुआ करता है।

आमतौर पर वे कुंठा से घिर जाया करते हैं। अब यह तो स्पष्ट है कि आज के बच्चे कल का समाज और आगे जाकर राष्ट्र का महत्वपूर्ण घटक बनेंगे। ऐसे में उनमें स्वाभाविक रूप से विकसित हो जाने वाले आत्मबल का क्या होगा ?

लोकसभा चुनाव में भी चरितार्थ हुआ एमपी के मन में मोदी : दर्शनसिंह चौधरी

पत्रकार वार्ता में बोले नर्मदापुरम सांसद

बैतूल। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष व नर्मदापुरम सांसद दर्शनसिंह चौधरी ने 12 जुलाई को जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन बैतूल में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की विस्तारिक प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पारित राजनीतिक प्रस्तावों और 3 जुलाई को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और परिश्रम से भाजपा को मध्यप्रदेश सहित देशभर में इस लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त हुई है। आम चुनाव में दोबारा चरितार्थ हुआ कि एमपी के मन मे मोदी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार द्वारा बीते दस वर्षों में किए गए गरीब कल्याण, सुशासन के कामों और जनहित की योजनाओं के कारण ही मध्यप्रदेश के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सभी 29 लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त हुई है। इसके साथ ही दक्षिण के राज्यों के साथ देश भर में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा है। हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार द्वारा विधानसभा में जो बजट प्रस्तुत किया गया है, वह बजट जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए लाया गया है।

यह बजट 2024 विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने में योगदान देने वाला है। श्री चौधरी ने कहा कि इस लोकसभा चुनाव में भाजपा और एनडीए को ऐतिहासिक बहुमत मिला और श्री नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। 62 वर्षों बाद देश ने किसी प्रधानमंत्री को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में जनादेश देकर स्वीकारोक्ति की है। भाजपा को इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की बताई चार जातियां युवा, गरीब, महिला और किसान सहित सभी समाज वर्ग के कल्याण के लिए किए गए कार्यो से विजय मिली है। श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा बताई गई चार जातियों के कल्याण के लिए मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार लगातार कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश सरकार का हाल ही में 03 जुलाई को विधानसभा में प्रस्तुत बजट प्रदेश की जनता को आत्मनिर्भर बनाने के साथ 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में योगदान देने वाला है। भारत के इतिहास में 6 दशकों के बाद स्थिर सरकार के वैश्विक महत्व को रेखांकित करते हुए लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए स्पष्ट बहुमत से हमारी सरकार एवं श्री नरेन्द्र मोदी जी को प्रधानमंत्री के रूप में चुना गया। 2024 का यह चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव रहा है। देश में बहुत से राज्य ऐसे है जहां भाजपा का अपना वोट प्रतिशत भी बढ़ा है जिसकी मुख्य वजह भाजपा की सरकारें एवं कार्यकर्ताओं की लगन तथा मेहनत रही है। 2019 के मुकाबले 2024 के लोकसभा चुनाव में देश के विभिन्न राज्यों में हमारा वोट प्रतिशत बेहतर हुआ है। जिसकी वजह हमारे कार्यकर्ताओं का धरातल पर निरंतर प्रवास एवं परिश्रम है। मध्यप्रदेश में इतिहास रचते हुए भाजपा ने पहली बार 29 में से 29 सीटें जीती है। यह रिकार्ड अब कोई भी तोड़ नहीं सकता है सिर्फ बराबरी कर सकता है। मध्य प्रदेश में पार्टी का मत प्रतिशत 2014 से सतत् बढ़ रहा है। श्री चौधरी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मन मस्तिक में मध्यप्रदेश का विशिष्ट स्थान है। यह यूं ही नहीं कहा गया है कि मोदी के मन में एमपी और एमपी के मन में मोदी है। बीते 10 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने देश के हृदय मध्यप्रदेश मे बारम्बार, आगमन कर हमें गौरव प्रदान किया हैं, उन्होंने विश्वास भी दिया है और स्नेह, आर्शीवाद भी प्रदान किया है। भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश के सामूहिक नेतृत्व, कुशल रणनीति के साथ ही समर्पित कार्यकर्ताओं की श्रृंखला ने विधानसभा और लोकसभा की पूर्ण विजय को सुनिश्चित किया। 2023 में हुए मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में भी मध्यप्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा पर विश्वास प्रकट करते हुए 163 विधानसभा सीटों पर ऐतिहासिक विजय दिलाकर एमपी के मन में मोदी को चरितार्थ किया था। हमारे कर्मठ व जुझारू मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार का प्रयास है कि आगामी 5 वर्षों में प्रदेश के वार्षिक बजट के आकार को दोगुना किया जाए।

जंगली कुत्तों ने खदेड़ा तो मंदिर में पहुंचकर नीलगाय ने ली शरण, पुजारी ने बचाई जान

बैतूल। आठनेर विकासखंड के ग्राम कोकाढाना के रामदेव बाबा मंदिर में एक मादा नीलगाय जिसकी उम्र लगभग 4 वर्ष है, जिसे जंगली कुत्ते द्वारा खदेड़ कर घायल किया गया था, मादा नीलगाय जंगल से भागते हुए रामदेव

बाबा मंदिर प्रांगण में पहुंची और द्वारकाधीश मंदिर के दरवाजे पर आकर बैठ गई। मंदिर के संत नरेश बाबा ने डरी हुई नीलगाय का बचाव किया और उसकी देखभाल करी। आठनेर के शिवम पात्रेकर द्वारा सूचना देने के बाद वनपरिक्षेत्र अधिकारी अपने स्टाप के साथ मोका स्थल पर पहुंचकर नीलगाय की जांच की, तो नीतगाय के पेट में चोट के निशान पाये गये। इसके पश्चात ग्राम कोकाठाना के ग्रामवासियों के सहयोग से वनविभाग की गाड़ी मे रखी गई। बन विभाग सावलमेढा का स्टाफ उसे अपने साथ ले गए। वन परिक्षेत्र अधिकारी सावलमेढ़ा द्वारा इस सम्बध मे कहा गया कि इस मादा नील गाय का इलाज करवाकर स्वस्थ्य होने पर जंगल में सुरक्षित छोड़ देगे। इसका पंचनामा बनाकर ग्रामीणों द्वारा हस्ताक्षर किया गया ।

हमारे पूर्वजों को पर्यावरण के महत्व का ज्ञान था

ब्राह्मण समाज ने किया पौधारोपण

बैतूल। हिन्दू शास्त्रों में पेड़ों की महत्ता का वर्णन है यहां तक के उन्हें पूजा भी जाता है। संपूर्ण सनातन ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जेएच कॉलेज परिसर में माता-पिता के नाम पौधारोपण किया और उसके पालन का संकल्प किया। इस मौके पर अनिरुद्ध दुबे ने कहा कि हमारे पूर्वजों को वृक्षों और पर्यावरण के महत्व का अच्छी तरह ज्ञान था इसलिए वे इन्हें देवों की तरह पूजते थे। सुश्री उषा द्विवेदी और सुभाष पांडे ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए युवाओं और सभी सामाजिक बंधुओं को आगे आना चाहिए। इस अवसर पर नरेंद्र अवस्थी, डॉ.पीके मिश्रा, डॉ.अल्का पांडे, डॉ.सलील दुबे, अनिल दुबे, श्रीमती नीलम दुबे, मीनाक्षी शुक्ला, ओपी शर्मा, राजेन्द्र मिश्रा, नर्मदा प्रसाद मिश्रा, ललित लिल्होरे, प्राचार्या एवं स्टॉफ मौजूद था।

नगर में चोरियों की बढ़ती घटनाओं से क्षेत्रवासी परेशान, पुलिस से सुरक्षा की मांग

बैतूल/भौरा। नगर और इसके आसपास के क्षेत्रों में चोरियों की बढ़ती घटनाओं से क्षेत्रवासियों में असुरक्षा की भावना व्याप्त हो गई है। हाल के दिनों में चोरियों की घटनाओं में अचानक वृद्धि देखने को मिली है, जिससे स्थानीय निवासियों के बीच भय का माहौल बन गया है। इसी संदर्भ में, भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष, दिलीप माधव ने शुक्रवार को चोरियों पर रोकथाम लगाने की मांग। को लेकर भौरा पुलिस चौकी प्रभारी संदीप परतेती को एक आवेदन सौंपा है। भाजयुमो मंडल अध्यक्ष दिलीप माधव ने कहा कि भौरा नगर में चोरियों की घटनाओं में दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है और क्षेत्रवासी इस स्थिति से अत्यंत परेशान हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों में कई चोरी की घटनाएं हुई हैं, जिनमें से अधिकांश मामलों में अपराधियों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस स्थिति ने क्षेत्रवासियों के बीच असुरक्षा की भावना को और भी गहरा कर दिया है। आवेदन में दिलीप माधव ने पुलिस से निवेदन किया है कि इन चोरियों की रोकथाम हेतु तुरंत और प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने और सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने की मांग की है। दिलीप माधव का कहना है कि इन कदमों से क्षेत्रवासियों को सुरक्षा का भरोसा मिल सकेगा और चोरियों की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

डॉ. रूपेश पद्माकर ने अपने खर्च से किया मासूम का ऑपरेशन

पेड़ से गिरने से टूटी थी जांघ की हड्डी, इलाज करवाने 10 हजार में बेच दिया था बैल

बैतूल। जिला अस्पताल में कुछ डॉक्टर ऐसे भी है जो मानवता की मिसाल बनकर गरीब मरीजों के उपचार के लिए स्वयं की जेब से राशि खर्च करने में भी पीछे नहीं हटते है। ऐसे ही डॉक्टरों के कारण धरती के भगवान की कहावत चरितार्थ होती है। जिला अस्पताल बैतूल में पदस्थ हड्डी रोग विशेष डॉ. रूपेश पद्माकर इन्ही डॉक्टरों में से एक है। जिन्होंने एक गरीब मासूम के पैर का ऑपरेशन करवाने के लिए घर का बैल बेचकर जिला अस्पताल पहुंचे परिवार से पहले तो उनके द्वारा बेचा गया बैल वापस करवाया फिर स्वयं की राशि से ऑपरेशन सामग्री बुलवाकर जिला अस्पताल में ही हड्डी का मेजर ऑपरेशन कर मासूम के पैर में रॉड डाल दी। ऑपरेशन के बाद शीघ्र ही मासूम अपने पैरों पर खड़ा हो जाएगा। ऑपरेशन में जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. रानू वर्मा एवं डॉ. प्रकाश चंदेलकर ने भी पूरा साथ दिया है। सांईखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम उमनपेठ निवासी 9 वर्षीय मासूम चेतन पिता वासूदेव उईके विगत 18 जून को गांव में ही जामून के पेड़ से गिर गया था। जिससे उसके बाएं पैर के जांघ की हड्डी टूट गई थी। चेतन की माँ नहीं है। मजदूर पिता वासूदेव और बुआ सज्जो बाई 18 जून को ही उसे जिला अस्पताल लेकर आएं। यहां एक्स-रे में पता चला कि उसके पैर में जांघ्ह की हड्डी टूटी है। जिसका मेजर ऑपरेशन होना है। चूंकि जिला अस्पताल में ऑपरेशन सामग्री नहीं होने से हड्डी के मेजर ऑपरेशन नहीं हो रहे है। जिससे मरीजों को हमीदिया अस्पताल भोपाल रेफर किया जाता है या सक्षम मरीज प्राइवेट अस्पताल में ऑपरेशन करवाते है। चेतन को भी ऑपरेशन करवाने भोपाल रेफर कर दिया गया।

इलाज करवाने बेचा बैल, डॉक्टर ने वापस करवाया बैल - चेतन के पिता मजदूरी करते है, उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से भोपाल जाना संभव नहीं था। ऐसे में चेतन की बुआ सज्जोबाई गांव गई और चेतन का इलाज करवाने के लिए एक बैल 10 हजार रूपए में बेच दिया। बैल बेचकर सज्जोबाई 10 हजार रूपए लेकर जिला अस्पताल आ गई। ताकि चेतन को प्राइवेट अस्पताल ले जाकर ऑपरेशन करवा सके। बैल बेचकर भतीजे का इलाज करवाने जिला अस्पताल पहुंची सज्जोबाई ने जब हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. रूपेश पद्माकर को उक्त बातें बताई तो उन्होंने सबसे पहले सज्जो बाई से कहा कि वे गांव जाकर अपना बैल वापस घर ला ले एवं उसे 10 हजार रुपए लौटा दे। चेतन का उपचार मैं स्वयं करूगा। सज्जोबाई ने गांव जाकर अपना बैल वापस ले लिया और 10 हजार रूपए वापस देकर जिला अस्पताल आ गई।

डॉक्टर ने अपने रुपयों से बुलाई ऑपरेशन सामग्री

जिला अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर, डॉक्टर होने के बावजूद सिर्फ ऑपरेशन सामग्री नहीं होने से मेजर ऑपरेशन नहीं हो रहे है। डॉ. रूपेश पद्माकर ने स्वयं के पैसे से लगभग 3 हजार रूपए की ऑपरेशन सामग्री बुलवाई। जिला अस्पताल में पदस्थ एनेस्थीसिया विशेषज्ञ के छुट्टी पर होने से आरएमओ डॉ. रानू वर्मा ने ऑपरेशन के लिए मरीज को एनेस्थिसिया दिया। वहीं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. रूपेश पद्माकर एवं डॉ. प्रकाश चंदेलकर ने चेतन का ऑपरेशन कर पैर में रॉड लगाई। डॉ. पद्माकर ने बताया एक माह में चेतन अपने पैरो पर खड़ा हो जाएंगा। यदि प्रायवेट अस्पताल में यह ऑपरेशन करवाते तो लगभग 50 हजार रूपए का खर्च आ जाता। मरीज एवं उसके परिवार की स्थिति भोपाल जाने लायक नहीं थी। जब मुझे पता चला कि उन्होंने इलाज करवाने बैल बेचकर रूपए लाए है तो मैंने सबसे पहले उनका बैल वापस करवाया एवं अपनी ओर से सामग्री बुलवाकर जिला अस्पताल में ही उसका ऑपरेशन कर दिया। डॉ. पद्माकर ने बताया यदि अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में ऑपरेशन सामग्री आ जाए तो ऐसे कई मरीजों के ऑपरेशन जिला अस्पताल में ही हो सकते है।

हमारा विचार राष्ट्र प्रथम : पंकज जोशी

भाजपा की जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न

बैतूल। भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन बैतूल में आयोजित की गई। बैठक के शुभारंभ अवसर पर सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया गया। कार्यसमिति की प्रस्तावना रखते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि भाजपा की ऐतिहासिक विजय के लिए कार्यकर्ताओ का समर्पण और जनता का समर्थन रहा जिसके चलते हमे लोकसभा में प्रदेश में 66 प्रतिशत मत प्राप्त हुए अब कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों के जिम्मे है। प्रदेश संगठन द्वारा 9 जुलाई से आगामी 04 अगस्त तक चलाये जाने वाले कार्यक्रम जिसमे 10 से 15 जुलाई तक मण्डल स्तर की वृहद बैठक, 13 से 20 जुलाई तक शक्ति केन्द्र सम्मेलन में बूथ नेतृत्व सम्मान समारोह, 21 जुलाई गुरुपूर्णिमा पर्व, 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस, मन की बात, एक पेड़ माँ के नाम के तहत जिले में देड लाख से अधिक वृक्षारोपण किया जाएगा। सांसद द्वारा मतदाता अभिनंदन यात्रा निकालना तथा महिला मोर्चे द्वारा लोकमाता अहिल्या के 300 वें तथा रानी दुर्गावती के जन्म के 500 वें वर्ष होने पर महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित कर सम्मान करना। जिला कार्यसमिति को संबोधित करते हुए जिला संगठन प्रभारी सुजीत जैन ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही आज केंद्र में तीसरी बार मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी है। यह हमारी लोकसभा सीट पर भाजपा 3 लाख 80 हजार से अधिक मतों से जीती है।

इस के पीछे भाजपा के कार्यकर्ताओ की मेहनत है और वरिष्ठों का मार्गदर्शन है और हम केवल सत्ता के लिए काम नहीं करते हम विचारधारा के लिए काम करने वाले लोग है। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग संगठन प्रभारी पंकज जोशी ने कहा कि हमारा विचार राष्ट्र प्रथम है हमारी प्रेरणा अंत्योदय है। हमें अपने प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बूथ समिति के सशक्तिकरण के प्रयासो को और अधिक बढाना है। पन्ना प्रमुख की संकल्पना को पूर्णतः सिद्ध करना है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा महिला सशक्तिकरण और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री जी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाकर महिलाओं को बराबरी का हक दिया है। भाजपा सरकार की लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, उज्जवला योजना, मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि जैसी योजनाओं तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वामित्व का अधिकार दिए जाने से महिलाओं में आत्मविश्वास की वृद्धि हुई है।

कल से जयवंती हक्सर शासकीय महाविद्यालय का नाम होगा प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस

बैतूल। जयवंती हक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का नाम प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में 14 जुलाई को उन्नयित होगा। प्राचार्य डॉ. विजेता चौबे ने बताया कि मध्य प्रदेश के 55 जिलों के 55 शासकीय महाविद्यालयों को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयित करते हुए उन्हें बहु संकायी बनाने तथा स्नातकोत्तर कक्षाएं प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसमें जयवंती हक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल भी शामिल है। एक्सीलेंस कॉलेजों की विशेषता है कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप इनमें सभी कोर्स उपलब्ध होंगे तथा ये कॉलेज सभी संसाधनों से युक्त होंगे। युवा पीढ़ी को इन कॉलेजों का लाभ मिलेगा। महाविद्यालय को अधोसंरचना विकास के लिये लगभग 602.00 लाख रुपये तथा वार्षिक आवर्ती व्यय रू. 160.50 लाख की स्वीकृति प्रदान की जा रही है। कॉलेज कैंपस विकास हेतु राशि 40 लाख जारी किए जा चुके है। बायोटेक्नोलॉजी एवं कंप्यूटर साइंस एवं मनोविज्ञान नवीन विषय खोले जा रहे हैं। महाविद्यालय में 18 शैक्षणिक पद एवं 07 अशैक्षणिक पद स्वीकृत किए गये हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन सीटू ने सौंपा ज्ञापन

बैतूल। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन सीटू के तत्वावधान में संगठन की जिला अध्यक्ष सुनीता राजपाल, महासचिव पुष्पा वाईकर, सचिव इंद्रा भारद्वाज, सोनम तायवाडे, संरक्षक कामरेड कुन्दन राजपाल की अगुवाई में प्रधानमंत्री के नाम 8 सूत्रीय मुख्यमंत्री के नाम 16 सूत्रीय मांगों को लेकर संयुक्त कलेक्टर महिला एंव बाल विकास के सहायक अधिकारी केएल शर्मा को ज्ञापन सौंपा साथ ही 19 जुलाई को केंद्र बंद हड़ताल की सूचना भी दी गई। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष संगीता कनाठे, कार्यकारी अध्यक्ष सविता आर्य, सहायक महासचिव रेखा काले, उपाध्यक्ष योगिता शिवहरे, आशा सुरजे, पारो यादव, किरण सराठे, संगीता डेहरिया, सचिव इंद्रा भारद्वाज, गीता मालवीय, सोनम तायवाडे, सुनीता तिवारी, ललिता वर्मा, साजिदा खान, रीना गुप्ता, रूक्साना बानो, मालती वटके, सलमा खान, कल्पना बर्डे, रामप्यारी कुमरे, रामकली मर्सकोले, प्रमिला निरापूरे आदि बड़ी संख्या में यूनियन के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से किया आव्हानः मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन में यूनियन ने संपर्क एप बंद किए करें, 3 से 6 वर्ष के बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश के आदेश को निरस्त करने, उच्च क्वालिटी का मोबाइल दिए जाने, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत सेवानिवृत्ति पर ग्रेविटी देने, सेवाकाल में मृत्यु होने पर पांच लाख रुपये की राशी परिवार को सहायता के रूप देने, परियोजना स्तर पर मीटिंग में आने-जाने का यात्रा भत्ता दिए जाने, ग्रीष्मकालीन दो माह का अवकाश दिए जाने पेंशन योजना लागू करने की मांग की गई।

प्रधानमंत्री से लगाई गुहार

यूनियन ने प्रधानमंत्री से गुहार लगाई कि न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये दिया जाए, आईसीडीएस का निजीकरण नहीं किया जाए। आईसीडीएस के बजट में वृद्धि किए जाने के साथ चार श्रम संहिताएं को तत्काल वापस लेने आदि मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग की गई। कुंदन राजपाल ने कहा कि मांगों को सरकार ने पूरा नहीं करने की दशा में प्रदेश व्यापी एक दिवसीय संयुक्त मंच के द्वारा केंद्र बंद हड़ताल की जाएगी जिसकी सूचना भी सौंप दी गई है।

वर्तमान की स्वस्थ किशोर अवस्था भविष्य का स्वास्थ्य है : मानसी शेखर

बैतूल/भौरा। न्यूट्रिशन इंटरनेशनल मध्यप्रदेश में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग को सहायता प्रदान कर रहा है ताकि स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत किया जा सके और जिले में लागू विभिन्न पोषण हस्तक्षेप कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। न्यूट्रिशन इंटरनेशनल बैतूल में एनीमिया मुक्त कार्यक्रम एवं विटामिन। अनुपुर्णन कार्यक्रम के क्रियान्वयन एवं कवरेज की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर अपना सहयोग प्रदान कर रहा। न्यूट्रीशन इंटरनेशनल, कार्यक्रम नियोजन, खरीद को सुव्यवस्थित करने, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, निगरानी, रिपोर्टिंग, व्यवहार परिवर्तन संचार एवं दस्तावेजीकरण में स्वस्थ्य परिवार एवं कल्याण, स्कूल शिक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग को सहयोग प्रदान कर रहा है। न्यूट्रीशन इंटरनेशनल कार्यक्रम के प्रभावी सञ्चालन को सुनिश्चित करने में आने वाली चुनोतियों से निपटने के लिए विभाग की सहायता करता है जिसके लिए मैदानी कार्यकर्ताओं, जिला और ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की क्षमता निर्माण में सहायता और स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में सहयोगात्मक पर्यवेक्षण करने के साथ जिला और ब्लॉक अधिकारियों के साथ संयुक्त दौरे भी करता है।

मानसी शेखर राज्य प्रतिनिधि, न्यूट्रीशनल इंटरनेशनल भोपाल, द्वारा आज दिनांक 10 जुलाई बैतूल जिले के शाहपुर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों में भ्रमण किया गया। मानसी शेखर द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, भवरा, शासकीय हाई स्कूल कुण्डी एवं सी एम राइज स्कूल, शाहपुर में दौरा किया गया। अपने दौरे के दौरान उनके द्वारा स्कूल प्राचार्य से भेंट कर किशोर स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रम की प्रगति को जाना एवं पोषण गैलरी का अवलोकन किया। विद्यालय में किशोर-किशोरियों से भेंट कर पोषण आहार। टेबलेट, उज्जवल भविष्य एवं किशोर-किशोरियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया। मानसी शेखर द्वारा किशोर-किशोरियों को स्वस्थ रहते हुए अपने जीवन में आगे बड़ने एवं उच्च मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया एवं एनीमिया मुक्त कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतियेक मंगलवार को टेबलेट के सेवन हेतु प्रोत्साहित किया गया। डॉ एस के. कटारे, प्राचार्य, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, भवरा, एस के जैन, प्राचार्य, शासकीय सीएम राइज स्कूल, शाहपुर, कौशल्या पाटनकर, उपप्राचार्य, शासकीय हाई स्कूल कुण्डी, द्वारा न्यूट्रीशन इंटरनेशनल के द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सरहाना की बलदेव नागर, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया की राष्टीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में एनीमिया मुक्त कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा, स्वास्थ्य परीक्षण एवं खून की जांच, आर. बी.एस.के. दल द्वारा समय-समय पर की जाती है। भ्रमण के दौरान मानसी शेखर द्वारा एवं विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों की उपस्तिथि में न्यूट्री-गार्डन के अंतर्गत वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ एस के. कटारे, प्राचार्य, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, भवरा, एस के जैन, प्राचार्य, शासकीय सीएम् राइज स्कूल, शाहपुर कौशल्या पाटनकर, उपप्राचार्य, शासकीय हाई स्कूल कुण्डी, विद्यालय के शिक्षक साथी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बलदेव नागले उपस्थित हुए। मानसी शेखर ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे 0-5 वर्ष के बच्चों के लिए दस्तक अभियान की विस्तृत जानकारी ग्राम चिकाल्दाखुर्द में भ्रमण कर बच्चों के अभिभावकों से गृह भेट कर एवं मैदानी कार्यकर्ताओं से जानकारी ली उपस्थित हितग्राही में खून की कमी पाई जाने पर पोषण संबंधी सलाह देते हुए आयरन युक्त भोज्य पदार्थ का सेवन करते हुए प्रतिदिन आयरन की गोली भी खाने की सलाह दी गई। अभियान को और सुद्रद करने हेतु मानसी शेखर द्वारा दौरान बलदेव नागले, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक, को दिशा निर्देश दिए गए।

रब पर भरोसा!

इब्राहिम रिज़वी

इन दिनों सिर्फ हुसैन का गम .....

बाजार अपनी रफ़्तार से खुल रहा है, व्यापार अपनी गति से चल रहा हैं! न ये कभी किसी के लिए रुका है और न कभी रुकेगा...! अब जबकि 24 घंटे बाजार खुलने की की जगह कवायद हो रही हैं। ई कामर्स, ऑनलाइन व्यापार का चलन बाजार को प्रभावित कर रहा है। ऐसे नाज़ुक वक्त में जब गला-काट प्रतिस्पर्धा व्यापार का हिस्सा हो गया है।

ऐसे नाज़ुक वक्त में अपने रब पर भरोसा कर एक वर्ग खामोशी से अपने व्यापार 9 दिनों के लिए बंद कर इत्मीनान से इबादत में लगा हुआ हैं। दुनिया की नजर से देखें तो कैसे संभव है कि दुनिया के किसी भी देश या कोने में हो और जिसका काम ही व्यापार हों वो मोहर्रम के नौ दिनों तक अपना व्यवसाय हो या जॉब,या कोई प्रोफेशन में हो या विद्यार्थी सब अपने काम को एक तरफ़ रख कर इन दिनों मस्जिद में उपस्थित रह कर वाअज और मजलिस में शामिल होकर ग़म ए हुसैन में रत हैं।

लेकिन ये तो अलग ही नहीं अनुठे है जो अपने दाई के एक फरमान पर निर्णय लेने में देर नहीं करते। संख्या में मुट्ठी भर भी नहीं है। लेकिन अपने काम से काम और बारह ही महीने अपने व्यापार के लिए प्रतिबद्ध अनुशासित और सबके लिए समर्पित सबको प्यार करने वाला, अपने मुल्क से मोहब्बत करने वाला,दुसरो की मदद करने वाला समाज है दाऊदी बोहरा समाज।

व्यापारी कौम के रूप में ख्यात बोहरा समाज के बाशिंदे अपने 53वें दाई सय्यदना आलीकदर मुफद्दल सैफुद्दीन मौला के फरमान को सर -आंखों पर रख कर इन दिनों मे इमाम हुसैन व ऐहलेबेत को याद कर आंसू बहाकर ग़म कर रहे हैं।

आज की आपाधापी वाली जिंदगी में इंसान सुकून और राहत के लिए तरसता है लेकिन जब वो इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की वाअज में आता है और इमाम हुसैन, ऐहलेबेत और असहाब की कर्बला की मुसीबत को याद करता हैं। हुसैन के ग़म पर मातम कर आंखों से जों आंसू निकलते है। अपने दाई सय्यदना आलीकदर मुफद्दल सैफुद्दीन मौला के दीदार और आपके नुरानी आवाज़ में हुसैन इमाम के बयान और शहादत के बाद उस इंसान के दुनिया के सारे रंज और ग़म दूर हो जाते हैं! इसलिए 52वें दाई सय्यदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन मौला (रि.अ.) हमेशा और जगह यही दुआ करते थे कि ऐ परवरदिगार तु मुमीनीन को हमेशा आबाद और शाद रखना एक हुसैन के ग़म के सिवाय कोई ग़म ना दिखाना।

और आज बुरहानुद्दीन मौला की दुआ और मुफद्दल मौला की दुआ से बोहरा समाज पूरे विश्व को भारत की वसुदैव कुटुम्बकम की ताकत बता रहा है। शांति और विकास के लिए बोहरा समाज का जो योगदान है उसे सराहा जाता है। शांति,सदभावना, सत्य और राष्ट्रभक्ति के प्रति बोहरा समाज की भूमिका हमेशा अहम रही है। अपने देश से अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम की सीख सय्यदना साहब देते रहे है। सय्यदना साहब ने हमे यह सीख दी है कि हमे देश के लिए कैसे जीना चाहिए।

प्लेसमेंट ड्राइव में 15 युवाओं का चयन

धार। प्रभारी प्राचार्य शासकीय आईटीआई धार ने बताया कि शुक्रवार को प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। जिसमें प्लेसमेंट ड्राइव मे साक्षात्कार के माध्यम से बाहुबली इंडस्ट्रीज सप्लाणयर पीथमपुर द्वारा 5 युवाओं को एवं सनातन बस बॉडी बिल्डार कंपनी इंदौर द्वारा 10 युवाओं का चयन किया गया। संस्था के प्रभारी प्राचार्य अनिल कुमार राजोरिया ने चयनित युवाओ को नियुक्ति पत्र प्रदान किये एवं उज्जवल भविष्य की कामना की गई। प्लेसमेंट ड्राइव में सतीश डोडिया, अनूप सिंगार, जगदीश मौर्य, हरीओम अहिरवार, इनेश सोलंकी, संतोष कुमार साकेत, प्रियंका दुबे, अशरफ हुसैन, कृष्ण कुमार, सतीश विश्वकमा, अंशुल दांगी ने सहयोग किया।

पीजी कॉलेज धार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस बनने पर कार्यक्रम 14 जुलाई को

धार। पीजी कॉलेज धार को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस बनने पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन 14 जुलाई को दोपहर एक बजे किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. एसएस बघेल के मार्गदर्शन में संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। प्राचार्य डॉ. बघेल ने नियमित छात्र-छात्राओं से कहा है कि इस कार्यक्रम में आपनी उपस्थिति अनिवार्य देंवे।कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति एवं रोजगार उन्मुखी कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जावेगी, जो प्रत्येक छात्र के लिए बहुत ही लाभदायी और उपयोगी होगी। महाविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि धार विधायक नीना वर्मा होगी और अध्यक्षता जन भागीदारी अध्यक्ष दीपक बिड़कर करेगें। मध्य प्रदेश के संपूर्ण शासकीय कॉलेजों में इसका सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। शासन की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी इसमें बताया जाएगा। इस कार्यक्रम में जन प्रतिनिधि एवं गण मान्य नागरिक भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के आने के लिए एक बस के सुचारू रूप से संचालन का भी शुभारंभ होगा इससे छात्राओं को महाविद्यालय में आने में कोई परेशानी नहीं होगी। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस में विभिन्न प्रकार की सुविधाओं को और बढ़ाया जाएगा। संपूर्ण कार्यक्रम के समन्वयक प्राध्यापक आर सी घावरी है ।

कलियुगी बेटे ने मां को बैंक के बाहर छोड़ा

वृद्धाश्रम में दूसरे दिन तोड़ा दम

देवास। दो दिन पहले ए बी रोड स्थित बैंक ऑफ इंडिया ब्रांच के सामने एक वृद्धा बीमार निढाल सी पड़ी पाई गई थी। जानकारी से मालून हुआ वृद्धा माताजी को उनका बेटा बैंक से रकम निकालने ले कर आया था और रकम निकालने के पश्चात बीमार मां को बैंक के बाहर छोड़ कर चला गया। जागरूक नागरिकों ने सामाजिक न्याय अधिकारी को सूचित किया इसके बाद वृद्धाश्रम के कर्मचारी उन्हें जिला अस्पताल में उपचार के लिए ले गए और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें वृद्धाश्रम ले जाया गया जहां आज उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि वे कैंसर से पीड़ित थीं।

वीआईपी मार्ग को रख-रखाव की जरूरत

नर्मदापुरम। कलेक्ट्रेट से जिला अस्पताल का मार्ग जरुर वीआईपी मार्ग कहलाता है लेकिन वास्तव में यह वीआईपी गतिविधियों वाले मार्ग का कोरम पूरा नहीं करता। अब यह बात अलग है कि वीआईपी मार्ग कहकर या बतलाकर इसके रख-रखाव पर विभाग कमाने के लिए कितना खर्च करते होंगे।

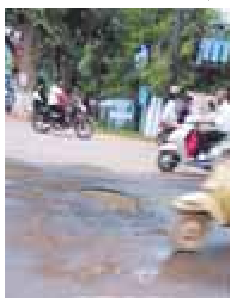

क्योंकि वीआईपी कहे जाते मार्ग की स्थिति देखकर कतई नहीं कहा जा सकता है कि यह वीआईपीज के आने जाने वाला मार्ग हो सकता है। वैसे तकरीबन देढ़ किलोमीटर का यह मार्ग नगर की शान बन सकता है जिस पर स्कूल, कार्यपालन अधिकारी का मकान, नगर धरोहर पानी की टंकी, नेहरू उद्यान, खेल मैदान, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जलसंसाधन विभाग का कार्यालय, मैरिज गार्डन, कोआपरेटिव बैंक, जिला अस्पताल क्या नहीं पड़ता.. बाहर से आने वाले अतिथियों को दिखाने के लिए यह अच्छा स्पाट बन सकता है, जिसमें इन दिनों नगरपालिका मशक्कत कर बाकायदा किसी पहुंच पकड़ वाले के लिए सरकारी जमीन कब्जा करवाने के लिए मिट्टी, कचरा भराव कर समतलीकरण का काम उसी तरह कर रही है जैसे कभी नगरपालिका अध्यक्ष रहते हुए डॉ नरेन्द्र पाण्डेय ने अपने सहयोगी शान्ति निकेतन मांटेसरी स्कूल प्रबंधन के लिए नदी किनारे ताल पानी कहलाती जमीन की नगरपालिका की तरफ से पुरनी करवाने में मदद की थी।

भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक संपन्न

प्रधानमंत्री मोदी जी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाकर महिलाओं को बराबरी का हक दिया है : केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

● पार्टी का एक ही मकसद है कमजोर बूथ को मजबूती प्रदान करना है: श्याम बंसल जिला प्रभारी

धार। भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को कुक्षी के समीप मां नर्मदा नदी के तट मेघनाथ घाट पर आयोजित की गई। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्र का पूजन व द्वीप प्रज्ज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया गया। जिला कार्यसमिति बैठक को केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार-महू लोकसभा सांसद सावित्री ठाकुर, भाजपा जिला प्रभारी श्याम बंसल, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल पूर्व जिला अध्यक्ष रमेश धड़ीवाल ने संबोधित किया। केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा महिला सशक्तिकरण और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाकर महिलाओं को बराबरी का हक दिया है। भाजपा सरकार की लखपति दीदी, ड्रोन दीदी, उज्जवला योजना, मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि जैसी योजनाओं तथा प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वामित्व का अधिकार दिए जाने से महिलाओं में आत्मविश्वास की वृद्धि हुई है। प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना अंतर्गत योजना प्रारंभ से लेकर अब तक 48 लाख 3 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में पिछले वर्ष के बजट अनुमान रूपये 75 करोड़ में 3 गुना से अधिक वृद्धि की गई है। बैगा, भारिया, सहरिया जैसी विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु पी.एम. जन-मन योजना के अन्तर्गत इस वर्ष 22 नवीन छात्रावास प्रारंभ किये जा रहे हैं। बैठक में जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी द्वारा स्वागत भाषण देते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदेश संगठन द्वारा 9 जुलाई से आगामी 4 अगस्त तक चलाये जाने वाले कार्यक्रम जिसमे 10 से 15 जुलाई तक मण्डल स्तर की वृहद बैठक, 13 से 20 जुलाई तक शक्तिकेन्द्र सम्मेलन में बूथ नेतृत्व सम्मान समारोह, 21 जुलाई गुरुपूर्णिमा पर्व, 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस, मन की बात, एक पेड़ माँ के नाम के तहत जिले में 71 हजार से अधिक वृक्षारोपण किया जाएगा।

सांसद द्वारा मतदाता अभिनंदन यात्रा निकालना तथा महिला मोर्चे द्वारा लोकमाता अहिल्या के 300 तथा रानी दुर्गावती के जन्म के 500 वे वर्ष होने पर महिला जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित कर सम्मान करना। सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही आज केंद्र में तीसरी बार मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी है।यह हमारी लोकसभा सीट पर भाजपा 2 लाख से अधिक मतों से जीती है। इस के पीछे भाजपा के कार्यकर्ताओ की मेहनत है और वरिष्ठों का मार्गदर्शन है और हम केवल सत्ता के लिए काम नहीं करते हम विचारधारा के लिए काम करने वाले लोग है। जिला संगठन प्रभारी श्याम बंसल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी आज सिर्फ नकारात्मकता फैलाने का काम कर रही है। देश की आजादी के बाद यदि संविधान बदलने का काम यदि किया तो कांग्रेस पार्टी ने किया 1975 में आपातकाल लगाकर कर संविधान बदलने का काम किया था, आपातकाल में हजारों निर्दोष लोगों को जेल में डाल कर यातनाए दी गई तथा हजारों युवाओं की नशबंदी कर संविधान बदलने का काम किया है। पार्टी का एक ही मकसद है कमजोर बूथ को मजबूती प्रदान करना है तथा सभी बूथों को शक्तिशाली बनाना हमारा लक्ष्य हो। आज केंद्र व प्रदेश सरकार की कई जनहितैषी योजनाओ से सभी वर्गों को लाभ मिल रहा।

यह थे मंचासीन....

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव पूर्व जिला अध्यक्ष क्रमशः रमेश धड़ीवाल विनोद शर्मा दिलीप पटोदिया मोहन भायल प्रभु राठौर खेमराज पाटीदार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी जगदीश मुवेल मुकाम सिंह किराड़े मुकाम सिंह निगवाल बलवंत मंडलोई राजेश अग्रवाल महेंद्र सिंह चाचू बना जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ सहित वरिष्ठ नेता उपस्थित रहें।

बैठक का संचालन जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ ने किया एवं राजनीतिक प्रस्तावना सौरभ शर्मा

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में

पहले हाथी और अब अवयस्क शेरनी मृत मिली..!

नर्मदापुरम। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मूक वन्य प्राणियों पर मानों इन दिनों मौत मंडरा रही है जो उन्हें कभी भी दबोच लेती है। मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा बाघों की तादाद के लिए प्रसिद्ध सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में जंगली जानवरों का मरना यकायक गले नहीं उतर रहा, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को सुरक्षित और सजग हाथों में माना जाता है, इसके बावजूद सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में वन्य प्राणियों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है..? कारण क्या हो सकता है सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में क्या प्रशासनिक शिथिलता आ गई.. कुछ समय पूर्व मड़ई के निकट हाथी के बच्चे विक्रम की मौत ने सभी को झकझोर दिया उसके बाद कल शाम मालनी के निकट अवयस्क शेरनी की मौत ने प्रशासन की क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया, जबकि चार दिन पहले ही शेरनी को बड़े से छोड़ा गया था। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में हो रही मूक जानवरों मौत को लेकर मधुकर चतुर्वेदी पूर्व उप वन संरक्षक जो बोरी अभ्यारण्य के अधीक्षक भी रह चुके हैं ने इन मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त की है, साथ ही वे नवीन उप संचालक की कार्य प्रणाली में सुधार की आवश्यकता होने की बात कह रहे हैं। उनका कहना है वन क्षेत्र में कार्यरत श्रमिको को लंबे समय तक वेतन भुगतान नहीं होने से श्रमिक अभाव ग्रसित जीवन जी रहे हैं उनमें शिथिलता और उनकी कर्तव्य निष्ठा के प्रति आशंका की बात कह रहे है। इसे लेकर उन्होंने उप संचालक की अधीनस्थों के प्रति कार्य प्रणाली और व्यवहार की शिकायत सभी वन कर्मचारियों ने फील्ड डायरेक्टर एवं शासन को भेजी हे जिस की जांच अपेक्षित है। मृत शेरनी का पोस्ट मार्टम हो रहा, प्रथम दृष्टया उसके आंख और चेहरे पर नाखूनों के निशान आपसी संघर्ष की ओर इशारा कर रहे हैं। शेरनी कल शाम को मृत पाई गई थी।

अमृत संचय अभियान और राज्य आनंद संस्थान की टीम ने शंकरगढ़ पहाड़ी पर किया पौधारोपण

देवास। प्रधानमंत्री मोदीजी द्वारा शुरू किए गए अभियान 'एक पौधा मां के नाम' के तहत शुक्रवार को शहर में जल संचय और पानी बचाने के अभियान में लगी टीम अमृत संचय अभियान और राज्य आनंद संस्थान के साथियों ने शंकरगढ़ पहाड़ी पर 51पौधे रोपे। कार्यक्रम में अमृत संचय के डॉ सुनील चतुर्वेदी, मोहन वर्मा,समीरा नईम, मनीषा बापना,सफिया कुरैशी, हीना राठौड़, गंगासिंह सोलंकी तथा घनश्याम मोदी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्य आनंद संस्थान की समीरा नईम ने कहा कि आज आधा जुलाई बीत जाने के बाद भी हम मानसून की झमाझम बारिश की प्रतीक्षा में है। समाचारों के अनुसार किसान बोहनी के लिए बरसात का इंतजार कर रहे है। पौधे रोपकर हम बेहतर पर्यावरण में तो सहायता कर ही रहे है,अच्छी बारिश के बाद वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल संचय और धरती के जल स्तर की वृद्धि में भी सहायक बन सकते है। अमृत संचय अभियान के डॉ सुनील चतुर्वेदी ने कहा जिलाधीश ऋषव गुप्ता के मार्गदर्शन में वाटर हार्वेस्टिंग और जल संचय के लिए काम कर रही टीम अब तक शहर में 200 करोड़ लिटर पानी बचाने के अपने लक्ष्य के नजदीक है। अमृत संचय टीम सदस्य के रूप में काम कर रहे एक्ट इव फाउंडेशन अध्यक्ष मोहन वर्मा ने कहा शहर के हर घर में एक पौधा मां के नाम लगाकर उसकी देखरेख की जिम्मेदारी यदि हर शहरवासी ले ले तो यह स्वतः स्फूर्त कदम होगा साथ ही अपने अपने घरों में वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से शहर के जलस्तर को बढ़ाने के साथ अपना सामाजिक योगदान दे सकते हैं।

करबला पर उच्चस्तरीय ब्रिज निर्माण के लिए विधायक ने इंजीनियरों के साथ किया सर्वे

बैतूल विधायक के प्रयासों से बजट में मिली है 6.72 करोड़ स्वीकृति

बैतूल। जिला मुख्यालय बैतूल सहित जिले की बड़ी आबादी के लिए वरदान मानें जा रहे माचना करबला पर उच्चस्तरीय ब्रिज निर्माण के लिए बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल द्वारा बजट में 6.72 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान करवानें के बाद ब्रिज कार्पोरेशन द्वारा ब्रिज निर्माण के लिए कार्यवाही शुरु कर दी है। शुक्रवार शाम को बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल के साथ ब्रिज कार्पोरेशन एवं पीडब्लूडी के इंजीनियरों और राजस्व विभाग के अधिकारियों नें बैतूल खेड़ीसावलीगढ मार्ग पर करबला स्थित माचना नदी पर उच्च स्तरीय ब्रिज निर्माण के लिए भौगोलिक सर्वे किया गया। बैतूल विधायक के साथ पीडब्लूडी की कार्यपालन यंत्री प्रीति पटले एवं ब्रिज कार्पोरेशन के एसडीओ गिरीश हिंगवे नें निर्माण स्थल का भ्रमण किया। इंजीनियरों द्वारा भौगोलिक सर्वे कर सुगम यातायात एवं ब्लेक स्पाट न बनें इसको ध्यान में रखते हुए ब्रिज निर्माण के लिए एलाइन्मेंट डिसाइड किया गया। साथ ही उच्च स्तरीय ब्रिज निर्माण के लिए राजस्व विभाग के अमले के साथ भूमि के प्रपोजल पर चर्चा की गई। बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें टू लेन बननें वाले ब्रिज की प्रस्तावित चौड़ाई 12 मीटर से बढ़ाकर 15 मीटर करनें के निर्देश इंजीनियरों को दिये। जिससे ब्रिज पर आवागमन सुविधाजनक हो सके। उन्होनें ब्रिज कारपोंशन के इंजीनियरों को जल्द से जल्द डीपीआर का प्रस्ताव बना कर शासन को भेजनें के निर्देश दिये ।जिससे प्रशासकीय स्वीकृति एवं तकनीकि स्वीकृत की कार्यवाही हो सके।

नाले पर बनेगा बॉक्स कलवर्ट: करबला ब्रिज के लगभग 100 मीटर पहले स्थित नाले मे अक्सर आने वाली बाढ़ की समस्या के निराकरण के लिए बैतूल विधायक नें इंजीनियर को उच्च स्तरीय ब्रिज निर्माण के प्रोजेक्ट में उक्त नाले को कव्हर करनें के निर्देश दिये। ब्रिज कार्पोरेशन के एसडीओ श्री हिंगवे नें बैतूल विधायक को बताया कि ब्रिज निर्माण के प्रोजेक्ट में नाले पर बॉक्स कलवर्ट का प्रपोजल बनाया जायेगा। नाले पर बॉक्स कलवर्ट बननें से बाढ़ की समस्या से निजात मिल जायेगी।

पुराने ब्रिज को सुरक्षित रखने के निर्देश: माचना करबला पर बनने वाले उच्च स्तरीय ब्रिज के भौगोलिक सर्वे के दौरान बैतूल विधायक नें ब्रिज कार्पोरेशन के इंजीनियरों को नये ब्रिज के निर्माण के दौरान पुराने ब्रिज को सुरक्षित रखनें के निर्देश दिये। उन्होनें कहा कि पुरातन धरोहर इस पुरानें ब्रिज को सुरक्षित रखते हुए उच्च स्तरीय ब्रिज निर्माण की ड्राइंग-डिजाइन बनाई जाये। भौगोलिक सर्वे के दौरान मौके पर मौजूद गणमान्य नागरिकों ,समाजसेवियों ,पत्रकारों से ब्रिज निर्माण को लेकर सुझाव भी लिए गये। सर्वे के दौरान पर्यावरणविद एवं वरिष्ठ खिलाड़ी हेमतंचन्द्र बबलू दुबे,जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे,विधानसभा संयोजक मधु पाटनकर,बैतूल गंज मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा,कोठी बाजार मंडल अध्यक्ष विक्रम वैघ,ग्रामीण मंडल अध्यक्ष नितिन बारस्कर,बैतूल बाजार मंडल अध्यक्ष सुनील पवार,राजेन्द्र निरापुर,राधेश्याम विश्वकर्मा सहित पत्रकारगण ,पीडब्लूडी, ब्रिज कार्पोरेशन, राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

शादी समारोह में दूल्हे को लेकर मैरिज लॉन पहुंचे घोड़े की मौत, मौके पर पहुंची पुलिस

बैतूल/मुलताई। मुलताई नगर में संचालित मैरिज लॉन को लेकर हमेशा ही सवाल उठाते रहे हैं बात स्वच्छता की हो या सुरक्षा की स्थानीय प्रशासन कभी भी मैरिज लॉन संचालकों से नियमों का पालन करना आवश्यक नहीं समझता। हाल ही में सांवरिया लॉन में करंट लगने से दूल्हे को लेकर आए घोड़े की मौत होने का मामला सामने आया है और इसके साथ तीन अन्य युवको को भी करंट लगने की बात सामने आई है। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेशन रोड पर स्थित सावरिया लॉन में बीती रात देशमुख परिवार का शादी समारोह चल रहा था। बैतूल से बारस्कर परिवार की बारात जैसे ही लॉन के गेट पर पहुंची, तभी अचानक से दूल्हा जिस घोड़े पर बैठकर बारात लेकर पहुंचा था, उस घोड़े की मौत हो गई। घोड़े के साथ मौजूद रोहित पंद्राम ने बताया कि बारात में मौजूद लोग घोड़े को मंडप के अंदर तक ले जाने का कह रहे थे। बार बार मना करने के बाद भी जबरजस्ती घोड़े को मंडप के अंदर लिजाया गया।

भोपाल में पीडब्ल्यूडी की सड़क का डामर हाथों से उखड़ा

मंत्री के आदेश पर पहुंचे अफसरों ने की जांच; फिर शुरू हुआ सड़क निर्माण

भोपाल (नप्र)। एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'खट्टा मीठा' तो आपने देखी ही होगी। जिसमें अक्षय सड़क ठेकेदार सचिन टिचकुले का किरदार निभाते हुए नजर आते हैं। फिल्म में सड़कों के भ्रष्टाचार की पोल खुलती है। कुछ ऐसा ही एक मामला मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में भी सामने आया है। यहां 2 दिन पहले बनी डामर की सड़क हाथों से ही उखड़ गई। इसका वीडियो जैसे ही वायरल हुआ, लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह ने जांच के आदेश दिए और फिर पीडब्ल्यूडी के अफसर मौके पर पहुंच गए। शुक्रवार को यहां दोबारा सड़क का निर्माण भी शुरू कर दिया गया है। यह सड़क बैरसिया इलाके के बावड़ीखार में बनी है, जो रामपुर से कचनारिया तक गुजरी है। इसी सड़क का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिस पर सियासत भी गरमा गई है। बैरसिया इलाके के बावड़ीखार में बनी सड़क का वीडियो वायरल होने पर यहां फिर से सड़क बनाई जा रही है।

ग्रामीण ने बनाया वीडियो, कहा- डामर की परत चढ़ाई: वीडियो में एक ग्रामीण सड़क में हुए भ्रष्टाचार की पोल खोलते हुए नजर आ रहा है। वह बता रहा है कि 2 दिन पहले ही सड़क पर डामर की परत चढ़ाई गई है, जो ऐसी है कि हाथों से ही उखड़ रही है। युवक हाथों से सड़क उखाड़ते हुए भी नजर आ रहा है।

अरुण यादव ने पूछा- क्या यही वाशिंगटन से अच्छी सड़कें: पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता अरुण यादव ने भी सड़क को लेकर ट्वीट किया। जिसमें कहा कि मप्र में सड़कों के हालात। यह मामला राजधानी से सटे बैरसिया तहसील का है, जहां सड़क एक हफ्ते में ही उखड़ने लगी है।

मंत्री ने कहा- वीडियो मेरे संज्ञान में आया है: मामला सामने आने के बाद मंत्री राकेश सिंह ने जांच के आदेश दिए। उन्होंने 11 जुलाई की रात को ट्वीट किया। लिखा- यह वीडियो मेरे संज्ञान में आया है,जांच दल मौके पर पहुंचेगा और परीक्षण उपरांत तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित होगी। इसके बाद उन्होंने जबलपुर में भी मीडिया से इस मामले को लेकर बात की। बताया- सोशल मीडिया में किसी ने एक वीडियो वायरल किया था। कोई अरुण यादव नाम के व्यक्ति हैं, जिन्होंने किसी सड़क के विषय में जानकारी दी है। सिर्फ वीडियो देखकर इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। इसलिए तुरंत ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मौके पर जाएं। जांच दल मौके पर गया है, और उनकी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

मंत्री के आदेश पर पहुंचे अफसर, की जांच

इधर, मंत्री सिंह के आदेश के बाद शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर संजय मस्के समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। चीफ इंजीनियर मस्के ने बताया, सड़क की जांच कर रहे हैं। इसकी रिपोर्ट वरिष्ठों को सौंपी जाएगी।

पटवारी की हार्ट अटैक से मौत, हड़ताल पर पटवारी संघ

नर्मदापुरम में एसडीएम पर प्रताड़ना का आरोप; कहा- गलत एफआईआर दर्ज कराई

इटारसी (नप्र)। नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में 9 जुलाई को एक पटवारी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। ये मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। पटवारी संघ ने पिपरिया एसडीएम संतोष तिवारी को पटवारी प्रवीण मेहरा की मौत का जिम्मेदार बताया है। आरोप लगाया कि एसडीएम ने मेहरा के खिलाफ गलत तरीके से केस दर्ज कराया, जिससे वे

मानसिक रूप से प्रताड़ित हुए। तनाव के कारण उन्हें दिल का दौरा पड़ा। पटवारी संघ के संभागीय अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव के अनुसार जिले में 320 पटवारी हैं। घटना के विरोध में शुक्रवार को सभी तीन दिन के अवकाश पर चले गए हैं। पटवारी संघ की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अंजू नरोलिया ने बताया कि एक मामले में पटवारी प्रवीण मेहरा को पावती नामांकन का प्रतिवेदन दिया गया। दो व्यक्ति एक ही नाम के थे। पिता के नाम भी एक जैसे थे। जाति भी एक ही होने के कारण और ग्रामीणों ने जो जानकारी दी, उसके आधार पर पटवारी ने प्रतिवेदन तैयार कर दिया। बाद में एसडीएम ने भी उसी प्रतिवेदन पर आदेश जारी कर बहनों के नाम जोड़ दिए।

गलत पावती चढ़ाने पर करा दी एफआईआर: बाद में पिपरिया एसडीएम ने यह कहते हुए कि पटवारी ने गलत आईडेंटिफाई करके गलत पावती चढ़ा दी, पटवारी प्रवीण के खिलाफ एफआईआर कराई। मामले में उसे जेल भेजा गया। जमानत पर आने के बाद से पटवारी प्रवीण सदमे और तनाव में थे।

पेशी से लौटते हुए आया अटैक

पटवारी संघ का कहना है कि 9 जुलाई को पटवारी प्रवीण कोर्ट पेशी पर आए थे। वे मानसिक रूप से प्रताड़ित थे, जिसके कारण पिपरिया न्यायालय में पेशी से लौटते हुए उन्हें हार्ट अटैक आया। संगठन ने कलेक्टर से मांग की कि पावती नामांतरण में लापरवाही के मामले में पटवारी पर गलत आरोप लगे थे। एसडीएम की प्रताड़ना के चलते उनकी जान गई है, इसलिए एसडीएम के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

वरिष्ठ अफसरों से कराएंगे जांच

मामले में नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीणा ने पटवारी संघ को आश्वासन दिया है कि एडीएम या जॉइंट कलेक्टर स्तर के वरिष्ठ अफसरों से मामले की जांच कराई जाएगी। उसके बाद जो भी मामले में सामने आता है उसके अनुरूप कार्रवाई की जाएगी।

भोपाल, खंडवा-डिंडौरी में तेज बारिश

एमपी के 8 जिलों में बरसात का अनुमान; भारी बारिश का अलर्ट कहीं नहीं

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के भोपाल, गुना, खंडवा और डिंडौरी में शुक्रवार दोपहर में तेज बारिश हुई। ज्यादातर जिलों में बादल छाए हुए हैं। कुछ जगह मौसम साफ है। नमी और लोकल सिस्टम की वजह से शिवपुरी, अशोकनगर, पन्ना, सतना, रीवा, मैहर, सागर, बैतूल में तेज बारिश हो सकती है। इससे पहले गुरुवार को एमपी के 12 जिलों में बारिश हुई, जबकि पश्चिमी हिस्से में सिर्फ दो जिले बैतूल-गुना में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक गुजर रही मानसूनी ट्रफ ऊपर निकल गई है। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर भी कम हुआ है। इस वजह से प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश का दौर भी थम गया है।

गुना में तेज बारिश, पार्क में भरा पानी

गुना में दिन भर की धूप के बाद दोपहर 3:30 बजे जोरदार बारिश हुई। लगभग आधे घंटे तक तेज बारिश होती रही। एक पार्क में पानी भर गया। इसमें बच्चे खेलते नजर आए।

भोपाल में सुबह से छाए बादल, दोपहर में तेज बारिश: भोपाल में सुबह से बादल छाए रहे। उमस भरा मौसम रहा। दोपहर में कई इलाकों में तेज बारिश हुई। भोपाल में अब तक 12.20 इंच बारिश हो चुकी है। यह कुल औसत बारिश का 32 प्रतिशत है। वहीं, अब तक कोटे की 24 प्रतिशत बारिश हो चुकी है।

खंडवा में धूप, उमस के दो दिन बाद बरसात

खंडवा में दो दिन से धूप के कारण गर्मी थी। उमस ने बेहाल कर रखा था। शुक्रवार को दोपहर में बारिश हुई। मौसम विशेषज्ञ डॉ. सौरव गुप्ता का कहना है कि इस बार खंड वर्षा हो रही है। नदी-नाले उफान पर आ जाए ऐसी बारिश अब हफ्ते से हो सकती। इसकी संभावना 16 जुलाई के बाद से लग रही है।

डिंडौरी में तेज बारिश, नदियों का जलस्तर बढ़ा

डिंडोरी में सुबह से बादल छाए रहे। साढ़े नौ बजे से झमाझम बारिश हो रही है। 2.89 इंच बारिश हो चुकी है। नदी-नालों का जलस्तर बढ़ रहा है। बस स्टैंड में नालियों से बाहर सड़क में पानी भरा हुआ है। जिले में 1 जून से अब तक 88.55 इंच बारिश हो चुकी है।

आने वाले दिनों में होगी भारी बारिश

सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अभी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। आने वाले दिनों में भारी बारिश होगी। भोपाल के वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया, ट्रफ प्रदेश से गुजर रहा था, जो अब काफी ऊपर निकल गया है। वहीं, वर्तमान में स्ट्रॉन्ग सिस्टम नहीं है। पूर्वी हिस्से में थोड़ी तेज बारिश हो सकती है, लेकिन पश्चिमी हिस्से में असर कम रहेगा। कुछ दिन के बाद सिस्टम की फिर से स्ट्रॉन्ग एक्टिविटी देखने को मिल सकती है।

पूर्व सांसद बोले-सरकार में बैठे लोग अपने घर भर रहे

बाहरी दलाल के रूप में सत्ता में घुसते हैं; सीएम से कहा-शुद्धिकरण अभियान चलाएं

भोपाल (नप्र)। पूर्व सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा प्रदेश के कई अफसरों की पोस्टिंग और कार्यशैली से नाराज हैं। रघुनंदन ने शुक्रवार को भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में एक कार्यक्रम में कहा, मप्र शासन में कुछ लोग ऐसे हैं जो स्वार्थ के कारण अपनी मनचाही जगह बैठे हैं। अपने घर भर रहे हैं। लोगों को तंग कर रहे हैं।

उन्होंने सीएम से कहा- शासन-प्रशासन और राजनीतिक जगत में गंदगी है। शुद्धिकरण अभियान चलाइए। शर्मा ने लिंक रोड नंबर दो स्थित जवाहर बाल उद्यान झील के जीर्णोद्धार के कार्यक्रम में ये बातें कहीं।

पूर्व सांसद का बयान आने के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- रघुनंदन जी को इस बात का आभास है कि यह सरकार हर तरीके से करप्शन की, क्राइम की और कर्ज की सरकार है।

मुख्यमंत्री से कहा- शासन-प्रशासन शुद्ध करने का अभियान चलाइए

रघुनंदन शर्मा ने कहा कि मैंने आभार प्रदर्शन के दौरान सीएम से प्रार्थना और निवेदन किया कि आप जिस तरह से पर्यावरण शुद्धि, जल और जलाशय शुद्धिकरण और गंदगी को समाप्त करने का अभियान चला रहे हैं, वैसे ही शासन-प्रशासन या राजनीतिक जगत में जो गंदगी है, उसे भी शुद्ध करने का अभियान चलाइए। इसमें शुद्धिकरण की आवश्यकता है। शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री से कहा है, आपने कठोरता से कुछ कड़े निर्णय लिए हैं, दंड भी

दिए हैं। आप जरा उसी कठोरता के साथ दंडित करो, चिन्हित करो और शुद्धिकरण करो। यह पूछने पर कि क्या इसमें संगठन भी शामिल है, शर्मा ने कहा कि उन्होंने अपनी बात में शासन-प्रशासन, राजनीतिक क्षेत्र कहा है। इसमें राजनीतिक क्षेत्र भी शामिल है तो संगठन भी शामिल ही है।

रघुनंदन ने और क्या-क्या कहा...

रघुनंदन शर्मा ने कहा कि पिछले कई वर्षों से राजनीति के माध्यम से मप्र में ऐसे तत्व बहुत सक्रिय हुए हैं। पनाह मिली है, उनको। मौका मिला है, अवसर मिला है। और उस अवसर का लाभ अपने निजी निहित स्वार्थ के कारण करते हैं। उससे विकास भी अवरुद्ध होता है, जनता भी परेशान होती है। उपभोक्ता भी परेशान होते हैं, इसलिए सहज सेवा सबको प्राप्त हो सके, इसके प्रयास करना चाहिए। इसमें जहां भी अड़ंगे हो, उसको दूर करने का दायित्व मुख्यमंत्री, जो प्रदेश के मुखिया हैं, उनका है, इसलिए उनसे निवेदन, प्रार्थना की है।

बीजेपी में ऐसे लोग कम हैं, जो उसकी कमियां बताएं : जीतू

पूर्व सांसद का बयान आने के बाद पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा, मैं धन्यवाद देता हूं रघुनंदन जी को। बीजेपी में ऐसे लोग कम बचे हैं, जो दृढ़ता से उसकी कमियां बताएं। मैं मानता हूं कांग्रेस का दायित्व तो है ही विपक्ष की भूमिका निभाने का, साधुवाद रघुनंदन शर्मा जी को कि उन्होंने भाजपा को एहसास कराया कि यह उसी की सरकार है।

भाजपा जिंदाबाद-मुर्दाबाद कहने पर पार्टी नेता-पार्षद में विवाद

•भोपाल के बैरागढ़ में पौधारोपण करने पहुंचे थे नेता; महापौर भी रहीं मौजूद

भोपाल (नप्र)। 'बीजेपी मुर्दाबाद' कहने पर शुक्रवार सुबह भोपाल के संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में बीजेपी जिला उपाध्यक्ष राम बंसल और वार्ड-

5 से कांग्रेस पार्षद अशोक मारण के बीच विवाद हो गया। दोनों पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। महापौर मालती राय की मौजूदगी में कुछ देर विवाद हुआ। हालांकि, वरिष्ठ नेताओं की समझाइश के बाद मामला शांत भी हो गया, और दोनों नेता एक ही मंच पर मौजूद रहे। शुक्रवार को बैरागढ़ स्थित साधु वासवानी स्कूल में 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम हुआ। इसमें महापौर राय, बीजेपी जिला उपाध्यक्ष बंसल, एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारन, कुसुम चतुर्वेदी समेत कई नेता मौजूद थे। स्कूल प्रबंधन ने दोनों ही पार्टी के नेताओं को कार्यक्रम में बुलाया था।

ऐसे हुआ विवाद

पौधारोपण कार्यक्रम में उस समय विवाद की स्थिति बनी, जब बीजेपी के प्रसून चतुर्वेदी ने 'बीजेपी जिंदाबाद' कहा। चतुर्वेदी के इतना कहते ही पार्षद मारण ने 'बीजेपी मुर्दाबाद' कह दिया। बंसल ने इसे गलत बताया। उनका कहना था कि पार्षद मारण ने बीजेपी मुर्दाबाद क्यों कहा। वहीं, पार्षद मारण भी सामने आ गए। एमआईसी मेंबर हिंगोरानी ने मामला संभाला और दोनों को समझाया। इसके बाद मामला शांत हो गया।

विवाद के बाद दोनों एक मंच पर मौजूद रहे: कुछ देर हुए विवाद के बाद दोनों ही नेता एक ही मंच पर मौजूद रहे। एमआईसी मेंबर हिंगोरानी ने बताया, दोनों ही नेताओं को समझाइश दी गई। इसके बाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। पार्षद मारण से संपर्क नहीं हो पाया।

पार्टी मुर्दाबाद कहेंगे तो विरोध करेंगे: विवाद को लेकर बंसल ने बताया कि पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमआईसी मेंबर राजेश हिंगोरानी ने स्कूल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम रखा था। इसमें महापौर मालती राय भी मौजूद थीं। वार्ड-5 के कांग्रेस पार्षद मारण भी मौजूद थे।

अटल गृह ज्योति योजना में एक करोड़ एवं कृषि ज्योति योजना में 26 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिल रहा लाभ

भोपाल (नप्र)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि एक करोड़ से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को अटल गृह ज्योति योजना और 26 लाख 59 हजार उपभोक्ताओं को अटल कृषि ज्योति योजना में लाभान्वित किया जा रहा है। अटल गृह ज्योति योजना में प्रदेश के ऐसे सभी घरेलू उपभोक्ताओं को योजना का लाभ दिया जा रहा है, जिनकी मासिक खपत 150 यूनिट तक है। ऐसे उपभोक्ताओं को प्रथम 100 यूनिट की खपत के लिये अधिकतम 100 रूपये का बिल दिया जा रहा है एवं अंतर की राशि राज्य शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में वितरण कंपनियों को दी जा रही है। ऐसे उपभोक्ताओं को 101 से 150 यूनिट खपत के लिए टैरिफ आदेश अनुसार दर लागू होती है।

इंदौर में 24 घंटे नहीं खुलेंगी दुकानें

मंत्री-विधायकों की बैठक के बाद सीएम यादव ने कलेक्टर को व्यवस्था बदलने दिया निर्देश

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के सभी नगर निगमों में 24 घंटे सातों दिन बाजार, मॉल खुले रखने के सरकार के फैसले का आदेश अभी जारी भी नहीं हो पाया है। इस बीच इंदौर के विधायकों के विरोध को देखते हुए मुख्यमंत्री ने इंदौर में कुछ स्थानों पर 24 घंटे बाजार खुले रखने की व्यवस्था को बंद करने का निर्देश दिया है। इसके बाद इंदौर कलेक्टर ने बाजार 24 घंटे सातों दिन खुले रखने का पुराना आदेश निरस्त कर दिया है। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर संभाग के बीजेपी विधायकों के साथ बैठक की। इस बैठक में विधायकों के सुझावों के बीच इंदौर में रात्रिकालीन बाजार एवं व्यवसायिक संस्थानों के संचालन में नई व्यवस्था पर चर्चा हुई। इसके दुष्परिणामों पर कुछ विधायकों ने सीएम से चर्चा की तो नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी इस पर सहमति दी। इसके बाद सीएम यादव ने

कलेक्टर इंदौर आशीष सिंह को निर्देश दिए कि नई कार्ययोजना बनाकर बाजार एवं व्यवसायिक संस्थाओं का संचालन रात्रि में कराएं। कलेक्टर आशीष सिंह ने पूर्व में इन्दौर शहर में निरंजनपुर चौराहे से राजीव गांधी चौराहे तक, बीआरटीएस कॉरिडोर में व्यवसायिक, औद्योगिक, कार्यालय आदि संस्थानों के लिए 24 घण्टे संचालन संबंधी आदेश को बंद करने पर सहमति दी। इसके बाद कलेक्टर ने इसके आदेश भी जारी कर दिए।

विजयवर्गीय ने रात्रिकालीन बाजार खुलने के साथ ड्रग के अवैध कारोबार का मुद्दा उठाया: इंदौर संभाग के मंत्रियों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने ड्रग के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने और इंदौर में रात्रिकालीन बाजार एवं व्यवसायिक संस्थानों के संचालन के संबंध में नई व्यवस्था लागू करने को कहा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्काल निर्देश दिये कि इंदौर शीघ्र ही विस्तृत कार्ययोजना बनाकर रात्रिकालीन बाजार, औद्योगिक संस्थान, कार्यालय संचालन आदि के संबंध में नई व्यवस्था लागू करें। ड्रग के अवैध कारोबार पर भी प्रभावी रूप से रोक लगाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। साथ ही इस मामले में बड़े दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही के लिए कहा गया है।